हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 15 फरवरी 2026

SWARNABHOOMI

A GOLDEN LEGACY LIKE THIS DOESN'T WAIT

Limited plots and villas available for booking

Life at Swarnabhoomi is already in motion with families settled in and a community that's come into its own.
Thoughtfully planned homes, green spaces, and everyday conveniences make this a township people choose for the long term.
Only a limited number of plots and villas remain available. This is your opportunity to secure your place in a community that's already thriving.

All images are artistic impressions

Villas | Plots | Landscape & Nature | Sports & Entertainment | Temple | Clubhouse

Don't miss out!
Your **Life at Rama** Awaits You

RAMA GROUP
Building a Better Tomorrow

70491 50000 - 7566110001 - 7566110002 - 7566110003 - 756611004

Site Address - Vidhan Sabha Rd, Near MGM Eye Hospital, Ama Seoni, Raipur, Chhattisgarh - 492014 | www.ramaworld.in

PCGRERA180518000011 / PCGRERA020224001723 https://rera.cgstate.gov.in

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 15 फरवरी 2026

751	छग में स्वामी आत्मानंद विद्यालयों की संख्या	403	अंग्रेजी माध्यम विद्यालय	348	हिंदी माध्यम विद्यालय

विशेष रिपोर्ट

उधार पर चल रहे आत्मानंद स्कूल

स्कूलों की हालत खराब, फंड ऊंट के मुंह में जीरा समान

रायपुर- रुचि वर्मा/बिलासपुर- विकास चौबे/जगदलपुर- सुरेश रावल/ भिलाई-देवीलाल साहू और राजनांदगांव से हफीज खान की रिपोर्ट

पिछली सरकार में राज्यभर में खोले गए 700 से अधिक आत्मानंद स्कूलों में ज्यादातर को आर्थिक संकट ने मुसीबत में डाल दिया है। पांच लाख रुपए सालाना नियमित फंड से संचालित इन स्कूलों को अब आधा ही मिल रहा है, वह भी कहीं कहीं। यही वजह है कि कई स्कूलों को स्टेशनरी, छोटे-बड़े आयोजन और अप्रत्याशित खर्च के लिए उधार का सहारा लेना पड़ रहा है। हालत ऐसी हो गई है कि रंग रोगन, छोटी-मोटी मरम्मत तक नहीं हो पा रही है। हरिभूमि राज्य के अलग अलग इलाकों में इन स्कूलों की पड़ताल की। कुछ जगह सिस्टम ठीक था, लेकिन कई जगह सिस्टम घिसटता हुआ नजर आया।

हरिभूमि सरोकार

उधारी खाते में खेल आयोजन

रायपुर

रायपुर में प्रथम चरण में प्रारंभ किए गए स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में फंड की ऐसी कमी है कि यहां वार्षिकोत्सव सहित अन्य खेल आयोजन भी उधार में ही किए जा रहे हैं। स्टेशनरी भी उधारी खाते में चल रही है। जो पैसे मिल रहे हैं, उससे प्रश्नपत्र छपाई जैसे अत्यावश्यक कार्य ही किए जा रहे हैं। बिजली बिल के नोटिस के अलावा वे उधार का भी सामना कर रहे हैं। रायपुर जिले में वर्तमान में 36 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित हैं। सभी स्कूलों में यही हाल है। एक स्कूल से जुड़े लोगों का कहना था कि कुछ चीजों के लिए उनको उधार का सहारा लेना पड़ा। बिजली बिल का नोटिस भी मिला, बिल अभी भी पेंडिंग है। इसके लिए सरकार से राशि जारी होने की अभी सूचना मिली है।

बिलासपुर

फंड की कमी नहीं,बजट में प्रावधान

आत्मानंद स्कूलों के लिए फंड की कहीं कोई कमी नहीं है। पहले कलेक्टरों के माध्यम से संचालित हो रहा था, अब विभाग स्वयं संचालित कर रहा है। अब हम बजट से इसकी व्यवस्था कर रहे हैं। स्कूलों को विभिन्न मदों में फंड भी जारी किए जा रहे हैं। पहले कुछ विभाग से, सीएसआर से, डीएमएफ से शिक्षकों के वेतन की व्यवस्था की जाती थी लेकिन अब बजट में प्रावधान किया गया है, इससे आत्मानंद स्कूल और अच्छे से चल रहे हैं।

-**गजेंद्र यादव**-स्कूल शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

34 आत्मानंद स्कूल, दो साल से फंड नहीं मिला

बिलासपुर शहर के 34 आत्मानंद स्कूल उधार में चल रहे हैं क्योंकि इन स्कूलों को चलाने के लिए फंड नहीं है। सत्र खत्म होने वाला है, लेकिन स्कूल चलाने के लिए शासन की ओर से दी जाने वाली 5 लाख की आकस्मिक व्यय निधि अब तक नहीं मिली है। स्कूल प्रबंधन के पास चॉक, डस्टर, रजिस्ट्रर, फिनाइल समेत अन्य सामग्री खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं। साल भर स्थिति यह रही कि तिमाही, अर्धवार्षिक परीक्षा करवाने के साथ-साथ मार्कशीट देने के लिए भी स्कूल वालों ने बच्चो से पैसा लिया। जानकारी के अनुसार सत्र शुरू होने के 6 माह बाद स्कूलों को दिसंबर में 79-79 हजार रुपए दिए गए थे इसके बाद कोई राशि नहीं मिली है। प्राचार्यों के अनुसार यहां स्टेशनरी, सफाई, मरम्मत, परीक्षा, टेस्ट व अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए फंड की जरूरत होती है। तिलक नगर स्थित आत्मानंद स्कूल के बच्चों ने बताया कि कई पंखे खराब हैं। टीचर्स के स्टाफ रूम में भी पंखे नहीं हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल में पंखे आए हैं, लेकिन इलेक्ट्रिशियन नहीं लगा रहा है। ⏭ शेष पेज 6 पर

सत्र की शुरूआत में 79-79 हजार रुपए दिए गए थे इसके बाद कोई राशि नहीं मिली

बजट की कमी

यह सही है कि आत्मानंद स्कूलों के लिए फिलहाल बजट की कमी है। शासन को इस बारे में जानकारी भी भेज दी गई है। वेतन भुगतान के साथ ही दूसरी व्यवस्थाओं में कुछ परेशानी तो जरूर आ रही है। स्थानीय स्तर पर कुछ फंड की व्यवस्था की गई है। उसी से काम चलाया जा रहा है।

- **विजय तांडे, जिला शिक्षा अधिकारी**

दुर्ग | जगदलपुर

52 स्वामी आत्मानंद, एक स्कूल को 2.55 लाख

दुर्ग जिले में 52 स्वामी आत्मानंद स्कूल हैं। तत्कालीन कांग्रेस सरकार इन स्कूलों के लिए हर साल कंटीलजेंसी मद में खर्च के लिए 5 लाख रुपए देती थी। वर्तमान सरकार द्वारा इसका आधा ही जारी किया गया। दुर्ग जिले में प्रत्येक स्वामी आत्मानंद स्कूलों को 2.55 लाख रुपए कंटीलजेंसी मद में ⏭ शेष पेज 6 पर

शिक्षक हैं, लेकिन प्रयोगशाला नहीं

बस्तर जिले के पिछड़े ब्लाकों में दूसरी तरह की मुसीबत है। यहां दरभा में तीन उत्कृष्ठ आत्मानंद शासकीय विद्यालय दरभा, चिंगपाल एवं चितापुर में संचालित हैं। ब्लॉक मुख्यालय दरभा में नया भवन बना है, लेकिन अन्य दो स्वामी आत्मानंद विद्यालय पुराने सरकारी स्कूल में ही संचालित है। कमरों की ⏭ शेष पेज 6 पर

लैब के लिए पैसे नहीं

राजनांदगांव शहर के रियासत कालीन स्टेट हाई स्कूल को पिछली सरकार ने आत्मानंद स्कूल में तब्दील किया। यहां स्कूल के फर्नीचर बदले गए, रंगरोगन कराया गया, नाम के बोर्ड बदले गए लेकिन शिक्षा सुविधा नहीं बदल पाई। इस स्कूल में स्वीकृत ⏭ शेष पेज 6 पर

पांच महीने बाद आज फिर भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्डकप

भारत और पाकिस्तान की टीमें पांच महीने बाद रविवार को एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर आमने-सामने होंगी। यह टी20 विश्व कप का सबसे चर्चित मुकाबला होगा, जिसे देखने के लिए दोनों देशों के क्रिकेट प्रशंसक काफी उत्सुक हैं। पाकिस्तान ने मैच के बहिष्कार के अपने फैसले पर यू-टर्न लेकर प्रेमादासा स्टेडियम, कोलंबो पर यह मैच खेलने का फैसला लिया। वैसे तो विश्व कप में भारत का पलड़ा पाकिस्तान पर भारी रहा है, लेकिन टी20 में किसी भी टीम को ⏭ शेष पेज 6 पर

हेड टू हेड रिकॉर्ड

टी20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक आठ बार मुकाबले खेले जा चुके हैं। सात बार टीम इंडिया ने मैच जीता है, जबकि एक बार पाकिस्तान की टीम जीत हासिल करने में सफल रही है। वनडे और टी20 दोनों विश्व कप मिलाकर भारतीय टीम सिर्फ एक बार पाकिस्तान से हारी है। यह मैच 2021 ⏭ शेष पेज 6 पर

छग का बजट 27 को, फिर अवकाश, 9 दिन बाद चर्चा

दो भागों में होगा बजट सत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होगा और 20 मार्च तक चलेगा। दो भागों में चलने वाले सत्र में 15 बैठकें होंगी। सत्र के पहले दिन 23 फरवरी को राज्यपाल रामेन डेका के अभिभाषण के साथ विधानसभा की कार्यवाही शुरू होगी। अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर दो दिन चर्चा होगी। सत्र के दौरान 27 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश किए जाने की संभावना है। बजट पेश होने के बाद सदन होली अवकाश के कारण 9 मार्च से शुरू होगा।

विधानसभा सचिवालय के अनुसार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रश्नोत्तरी के साथ शासकीय कार्य पूरे किए जाएंगे। नया रायपुर स्थित नए विधानसभा में होने वाले सत्र के दौरान पहले दौरे में पांचवे दिन बजट 27 फरवरी को पेश होने के बाद 28 फरवरी से 8 मार्च तक ⏭ शेष पेज 6 पर

विपक्ष इन मुद्दों पर घेरेगा

विधानसभा में कांग्रेस बजट सत्र के दौरान धान खरीदी, कानून व्यवस्था और नई योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की पुरजोर कोशिश करेगी। धान खरीदी और उसके पूर्व पंजीयन को लेकर अपनाई गई प्रक्रिया, शहरों में बढ़ती आपराधिक घटनाएं, नशे का कारोबार, चौपाटी हटाने का मामला, जल जीवन मिशन, लोक निर्माण विभाग में घटिया सड़क निर्माण, सीएसआईडीसी और उद्योग विभाग में गड़बड़ी, स्वास्थ्य विभाग में अव्यवस्था, नगरीय निकाय विभाग में बिना अनुमति ⏭ शेष पेज 6 पर

संजय के दीक्षित

तरकश

अफसर, दुःसाहस और संरक्षण

जिले के एक पुलिस कप्तान द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखने का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि एक डीएफओ ने अपने विभाग के सिकेट्री को फोन पर गरिया दिया। गाली भी छोटी-मोटी नहीं...सरकार को निलंबन आदेश में लिखना पड़ा...डीएफओ ने लैंगिक गालियां दी। आश्चर्य तो यह कि सिकेट्री भी आईएफएस हैं। इसके बाद भी डीएफओ ने कोई कंजूसी नहीं की। सिकेट्री साहब को पहले विश्वास नहीं हुआ...उन्हीं के कैडर का कोई अधिकारी भला ऐसा कैसे कर सकता है...शायद रांग नंबर लग गया होगा। इसलिए उन्होंने लैंडलाइन से दोबारा फोन लगवाया, मगर फिर गालियों की बौछारें। इसके बाद फिर कुछ बचता नहीं था। बात एसीएस फॉरेस्ट ऋचा शर्मा तक पहुंची और जाहिर है, वे किसी की सुनती नहीं...इसलिए दाल गल नहीं पाई। सस्पेंशन आदेश में गालियों तक को कोट किया गया। सवाल यह है कि ऐसे उदंडता को संरक्षण दे कौन रहा है? इससे पहले डीएफओ ने बीजेपी नेताओं को ऑफिस से भगा दिया था। फिर भी पार्टी के मुखिया किरण सिंहदेव को गुस्सा नहीं आया। इसके बाद डीएफओ का हौसला इतना बढ़ गया कि अपने बॉस की ही लानत-मलानत कर दी। अनुशासनहीनता के बढ़ते केसों में कार्रवाई करने में आगे-पीछे होते सिस्टम को समझना चाहिए नेता और मंत्री नहीं, मोदी गारंटी बड़ा है और इसी मोदी गारंटी से बीजेपी सत्ता में लौटी। बहरहाल, ऐसा ही रहा तो एसपी, डीएफओ के बाद अब किसी कलेक्टर की बारी होगी। सिस्टम को कौंवा मारकर लटकाना होगा।

कांग्रेस का मजबूत गढ़!

राजधानी रायपुर से लगे गरियाबंद में शिक्षिकाओं का दामाद बाबू का स्वागत करते रील्स का मामला सामने आया तो कार्रवाई के खिलाफ बीजेपी के लोग ही खड़े हो गए। ऐसे में, स्कूल विभाग के अधिकारी कैसे पीछे रहते। शिक्षिकाओं को बचाने की एवज में 20-20 हजार वसूल डाले। कहने का आशय यह है कि रुलिंग पार्टी के लोग ही जब सिस्टम की राह में रोड़ा बनेंगे तो अफसर और निरंकुश होंगे ही। इससे सिस्टम का नुकसान हो रहा है। सत्ताधारी पार्टी के नेताओं को समझना चाहिए कि मोदी, अमित शाह और नितिन नबीन की ब्यूहरचना के चलते छत्तीसगढ़ में पांच साल में ही कमल खिल गया। वरना, ये मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं, छत्तीसगढ़ कांग्रेस का मजबूत गढ़ रहा है और आज भी काडर खतम नहीं हुआ है। जाहिर सी बात है कि बीजेपी के लोकल बॉडी में इतना ही दमखम होता तो 2018 में 15 सीटों पर थोड़ी ही सिमटती। कहने का मतलब यह है कि पार्टी को अपने काडर को कंट्रोल में रखने की जरूरत है। बेलगाम हो चुके कैडर से नुकसान राज्य सरकार की छबि का हो रहा। सरकार कोई महत्वपूर्ण सुधार का काम करती है मगर इस तरह की घटनाओं से साख को डेंट लगता है। सरकार ने स्कूल शिक्षा में सुधार के कई ऐतिहासिक कार्य किए थे। पहली बार स्कूलों का युक्तियुक्तकरण हुआ। मगर पीएमश्री स्कूल की शिक्षिकाएं दामाद बाबू का स्वागत करते रील्स बना रही हैं और बीजेपी के लोग उनके सामने दीवार बनकर खड़े हो जा रहे। पुलिस कप्तान को भी पार्टी के लोग बचा रहे तो डीएफओ के पीछे ढाल बनने वाले भी रुलिंग पार्टी के बड़े नेता हैं। सिस्टम को अपना औरा दिखाना चाहिए।

नया हेड ऑफ फॉरेस्ट

हेड ऑफ फॉरेस्ट श्रीनिवास राव करीब तीन महीने बाद मई में रिटायर हो जाएंगे। उनकी जगह वन विभाग का मुखिया कौन होगा, इसको लेकर महकमे में उत्सुकता बढ़ती जा रही है। सीनियरिटी के हिसाब से देखें तो पीसीसीएफ अरुण पाण्डेय श्रीनिवास के बाद दूसरे नंबर पर है। सरकार अगर पोस्टिंग में सीनियरिटी को वेटेज देगी तो अरुण की किस्मत खुल सकती है। मगर ओपी यादव को हल्के में नहीं लिया जा सकता। जाहिर है, अरुण पाण्डेय का नाम पिछले एक साल से हेड ऑफ फॉरेस्ट के लिए चल रहा है। मगर अरुण की ताजपोशी संभव नहीं हो पाई। अरुण इस समय पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ हैं। वन महकमे में हेड ऑफ फारेस्ट के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा पद है। मगर पिछले कुछ सालों से मिथक चल रहा कि वाइल्डलाइफ चीफ हेड ऑफ फॉरेस्ट नहीं बन पा रहे। ओपी यादव को हल्के में न लेने के पीछे अहम बात यह है कि वे इस समय कैम्पा के प्रमुख हैं। श्रीनिवास राव भी जब हेड ऑफ फॉरेस्ट बने, तब कैम्पा के ही हेड थे। उनके बाद अरुण का नाम कैंपा के लिए चला था मगर ऐसा होने नहीं दिया गया। बहरहाल, यह देखना दिलचस्प होगा कि हेड ऑफ फॉरेस्ट की नियुक्ति में सीनियरिटी को वेटेज दिया जाएगा या फिर ओपी को मौका मिलेगा।

कलेक्टरों की हाजिरी

पिछले हफ्ते मुख्य सचिव विकास शील ने कलेक्टरों की वीडियोकांफ्रेंसिंग की। इसमें वे अफसरों की टाईमिंग की चर्चा करते हुए उन 10 कलेक्टरों के नाम गिना दिए, जो सुबह 10 बजे ऑफिस पहुंच जा रहे। बाकी को उन्होंने इशारे में बता दिया...निर्देशों को हल्के में न लें, उनके स्तर पर इसे वॉच किया जा रहा है। पता चला है, मुख्य सचिव ने जिलों के बायोमेट्रिक सिस्टम का एक्सेज अपने पास रखा है। इससे उन्हें मालूम चल जाता है कौन कलेक्टर टाईम पर ऑफिस आए और कौन लेट। बताते हैं, सीएस के वीडियोकांफ्रेंसिंग के बाद अधिकांश कलेक्टरों ने अपनी टाईमिंग अब दुरूस्त कर ली है। इसकी बड़ी वजह यह है कि सीएस सार्वजनिक तौर से टोकने में गुरेज नहीं करते।

बायोमेट्रिक का फायदा

छत्तीसगढ़ में अटेंडेंस के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम लागू करने से एक बड़ा फायदा यह हुआ कि क्लर्कियल कैडर पटरी पर आ गया। वरना, मंत्रालय का ही लें...कर्मचारी आराम से 11.30 बजे तक आते थे। चाय-वाय पीने के बाद डेढ़ बजे लांच हो जाता था। फिर शाम को तीन बजे गांव की देसी सब्जी खरीदने मंत्रालय के सामने चौपाटी पर हाजिर। सब्जी लेकर आने के बाद फिर चार बजे से घर जाने के लिए सामान समेटना शुरू। आश्चर्य की बात...ये तब हुआ जब आदेश में अवर सचिव से नीचे के मुलाजिमों को शामिल नहीं किया गया है, मगर अफसर टाईम पर पहुंच जा रहे इसलिए कर्मचारियों ने भी बिना कहें टाईम पर आना प्रारंभ कर दिया है। रही बात बड़े अधिकारियों की, तो जो फाइलें महीनों तक लटकी रहती थीं, अब लगभग डेली डिस्पोजल हो जा रहीं। इसलिए, क्योंकि पहले साहबानों के आने और जाने पर कोई बंदिशें नहीं थीं। मन पड़े तो मंत्रालय आए, नहीं तो पीए का रटा-सा जवाब....साब फलां जगह मीटिंग में गए हैं...भले ही साब घर में आराम फरमा रहे हों। लेकिन, अब अफसर सुबह सवा दस बजे तक मंत्रालय पहुंच जा रहे तो फिर बैठकर क्या करेंगे। लिहाजा, फाइलें भी तेज गति से हो रही हैं।

5000 करोड़ की बचत, मगर...

धान खरीदी में सिस्टम को कसने का फायदा यह हुआ कि अबकी 141 लाख मीट्रिक टन पर धान खरीदी रुक गई। वरना, पिछले साल 149 लाख मीट्रिक टन हुआ था और इस बार बढ़कर उसे करीब 160 लाख मीट्रिन टन पहुंचने का अंदेशा था। वैसे सरकार की योजना पहले 120 लाख मीट्रिक टन पर धान खरीदी को रोकने की रही मगर सरकार के भीतर से ही सहयोग नहीं मिला। जिम्मेदार नेता लगे बवाल काटने...ऐसा रहा तो अगला चुनाव हार जाएंगे। यही वजह है कि दो-तीन जिलों में ही राईस मिलरों पर कलेक्टर छापा मार पाए। दरअसल, सूबे के 80 परसेंट से अधिक राईस मिलें राजनीतिक पार्टियों से जुड़े हैं। और इतने ताकतवर कि कई मंत्री, नेता उनके लिए दुखी हो गए थे। कुछ चूक सिस्टम के एंड से भी हुई। पता नहीं टोकन का साफ्टवेयर कैसा बनाया गया कि किसानों को टोकन के लिए काफी परेशान होना पड़ा और कुछ माहौल राईस मिल माफियाओं ने बना दिया। इस चलते प्रारंभ में कड़े तेवर दिखा रही सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा। फिर भी, कसावट से करीब 5000 करोड़ बच गया। वरना, बिचौलियों की तैयारी राज्य का खजाना साफ करने की थी।

सीएस को जिम्मेदारी

सीजीएमएससी को ठीक करने सरकार ने दिल्ली रिटर्न आईएएस अमित कटारिया को सिकेट्री हेल्थ बनाया। सीजीएमएससी से प्रमोटी आईएएस को हटाकर डायरेक्ट आईएएस को एमडी की कमान सौंपी गई। इसके बाद भी हाई कोर्ट को मेडिकल इक्विमेंट्स खरीदी में अक्षमता को लेकर तल्ख टिप्पणी करनी पड़ रही है तो फिर समझा जा सकता है कि सीजीएमएससी किस कदर डिरेल्ड हो चुका है। सीजीएमएससी में कई सालों से अराजकता की स्थिति यह है कि पैसा होते हुए भी दवाइयां और मेडिकल इक्विमेंट नहीं खरीद पा रहा। अस्पताल वालों की मजबूरी यह है कि मेडिकल से संबंधित सारी खरीदी का अधिकार सरकार ने सीजीएमएससी को दे रखा है। सीजीएमएससी को दवाइयां और मेडिकल इक्विमेंट से ज्यादा फायदा बिल्डिंग बनाने में नजर आता है। फिर, दवा सप्लायर जेम पोर्टल में ऐसे कंडिशन डलवा देते हैं कि दूसरी कंपनियां टेंडर में हिस्सा ले नहीं सकें। हाई कोर्ट यह खेल समझ गया, तभी चीफ जस्टिस की डबल बेंच ने कहा है कि मुख्य सचिव इसे देखें। कोर्ट अगर सीएस को व्यवस्था देखने को कह रहा, इसका मतलब तो ये ही हुआ कि सीजीएमएससी का सिस्टम फेल हो चुका है। अब चीफ सिकरेट्री कोई रास्ता निकालेंगे कि सीजीएमएससी दवा खरीदने में सक क्यों नहीं पा रहा।

चौपट सिस्टम

छत्तीसगढ़ बनने के बाद स्वास्थ्य विभाग में एक से बढ़कर एक मंत्री बने और सचिव मगर सूबे में एक बढ़ियां सरकारी अस्पताल मयस्सर नहीं हो पाया। भारत सरकार के पैसे से दो सुपर स्पेशिलिटी अस्तपाल जरूर बने मगर वे अपने किस्मत पर रो रहे हैं। जगदलपुर को प्रायवेट पार्टनरशिप में दिया गया, वो अभी तक प्रारंभ नहीं हो पाया और बिलासपुर में सिर्फ ओपीडी चल रहा है। 250 करोड़ खर्च करने के बाद भी अभी मरीजों की भर्ती की सुविधा नहीं शुरू हो पाई है। सवाल उठता है, छत्तीसगढ़ सरकार से जमीन लेकर जब एम्स इतना बढ़ियां बिल्डिंग बनाकर अस्पताल का संचालन कर सकता है तो फिर राज्य के हेल्थ डिपार्टमेंट द्वारा गरीबों के लिए अदद एक ठीकठाक अस्पताल क्यों नहीं शुरू किया जा सकता? मगर इस पर किसी को सोचने का टाईम नहीं। प्रायवेट अस्पतालों में गरीब लूटते रहे, और आयुष्मान के नाम पर सरकारी खजाना लूटता रहे, कोई फर्क नहीं पड़ता। पता नहीं, एम्स को देखकर सिस्टम में बैठे लोगों को कुछ लगता क्यों नहीं? इस माईनिंग स्टेट में अगर डीएमएफ की ठीक से प्लानिंग की गई होती तो एम्स के समकक्ष रायपुर, बिलासपुर और जगदलपुर में तीन अस्पताल खुल गए होते। और नहीं, तो लखनउ जैसा रायपुर में एक पीजीआई तो खुल ही सकता है।

सीएस का वेतन, सबसे बड़ा लोचा

देश के सरकारी अस्पतालों की सेहत खराब होने में मुख्य सचिवों के वेतन का भी लोचा है। दरअसल, राज्यों की ब्यूरोक्रेसी डॉक्टरों का वेतन चीफ सिकरेट्री से अधिक होने नहीं देना चाहती। और नीट में सलेक्ट होने के बाद पांच साल एमबीबीएस, तीन साल पीजी और दो साल सुपरस्पेशिलिटी याने 10 साल दिमाग घिसने के बाद कोई स्पेशलिस्ट दो-ढाई लाख पगार में सरकारी अस्पताल में काम करने आएगा नहीं। अलबत्ता, सीएस के पद को उसकी सेलरी से नहीं तौला जा सकता। सीएस कार्यपालिका का हेड होता है। प्रोटोकॉल में मंत्री जरूर सीएस से उपर होते हैं मगर ओवरऑल पकड़ और प्रभाव में सीएस उनसे आगे होते हैं। बिना उसके दस्तखत के एक फाइल आगे नहीं सरक सकती। मुख्य सचिव कैबिनेट के पदेन सचिव होते हैं। लिहाजा, लखनउ की तर्ज पर अलग एक्ट पारित कर पीजीआई जैसा इंस्टिट्यूट तो खोला ही जा सकता है। अपने मुख्य सचिव विकास शील प्रैक्टिकल सुधार में विश्वास रखते हैं। वे छत्तीसगढ़ में हेल्थ सिकरेट्री रह चुके हैं और भारत सरकार में भी इस विभाग में सेवा दे चुके हैं। उनसे अधिक हेल्थ सिस्टम को भला कौन समझ सकता है। इस गरीब प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने उन्हें कोई रास्ता निकालना चाहिए।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. धुरंधर फिल्म की अपार सफलता क्या विपक्षी पार्टियों को अपनी रीति-नीति पर सोचने के लिए मजबूर करेगी?
2. सिस्टम में घुस चुके एक आत्मविश्वासी मंत्री का नाम बताइये, जिन्हें यकीन है कि उनकी कुर्सी को कोई खतरा नहीं?

ट्रैफिक जाम से मिलेगी मुक्ति रिंगरोड चौड़ीकरण को मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने आधिकारिक तौर पर राजधानी रायपुर के रिंग रोड नंबर 1 (एनएच 53) के किनारे सर्विस रोड के चौड़ीकरण को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय, जो स्थानीय आबादी की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है, रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल के प्रयासों के बाद लिया गया है। वर्षों से, रिंग रोड नंबर 1 शहर की मुख्य जीवन रेखा रही है। हालांकि, जैसे-जैसे रायपुर एक प्रमुख शहरी केंद्र में बदला, जो कभी बाईपास हुआ करता था, वह अब घनी आवासीय कॉलोनियों और वाणिज्यिक बाजारों से घिर गया है।

बिलासपुर, रविवार 15 फरवरी 2026 फाल्गुन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी । वर्षः 25, अंक : 324 । पृष्ठ : 12+8 =20, मूल्यः 5.00*** haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

महाशिवरात्रि की मंगलकामनाएं

छुट्टी पर घर जा रहे कोबरा बटालियन के तीन जवानों समेत चार की मौत

जगदलपुर से रायपुर आ रहे जवानों की कार धमतरी के पास खड़े ट्रक से भिड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

जगदलपुर से रायपुर जा रही सीआरपीएफ के जवानों से भरी तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक के पीछे टकरा गई। हादसे में कार सवार तीन सीआरपीएफ के जवान व चालक की मौत हो गई है। एक जवान गंभीर रूप से घायल है।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 201 कोबरा बटालियन बस्तर के करनपुर में तैनात है। बटालियन के एसआई उमेंद्र सिंह निवासी झुनझुन राजस्थान, हेड कांस्टेबल मुकेशसिंह निवासी रांची ▶▶ शेष पेज 6 पर

इनकी हुई मौत

दर्दनाक घटना में सीआरपीएफ के उमेंद्रसिंह एसआई, मुकेश सिंह, हेड कांस्टेबल राजकुमार गौड कांस्टेबल व कार चालक हीरालाल नागर की मौत हुई है। वहीं एक जवान अभिमान राय गंभीर रूप से घायल हुआ है।

शवों का पोस्टमार्टम रायपुर में: डीआईजी

सीआरपीएफ के डीआईजी बीएस पांडे व आईजी विजय प्रताप ने जिला अस्पताल पहुंचकर घटना की पूरी जानकारी ली। शवों को दूरस्थ उनके गृहग्राम भेजने में समय लगने के कारण तीन जवानों के शव को पोस्टमार्टम के लिए रायपुर भेजा। डीआईजी बीएस पांडे ने बताया कि शवों को उनके गृहग्राम पहुंचने में समय लगेगा। इसलिए ▶▶ शेष पेज 6 पर

गृहमंत्री ने ली जानकारी

दुर्घटना की सूचना मिलते ही महापौर रामू रोहरा, कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, एसपी सूरजसिंह परिहार तत्काल जिला अस्पताल पहुंचे। महापौर ने फोन पर गृहमंत्री विजय शर्मा को भीषण हादसे की जानकारी दी। गृहमंत्री श्री शर्मा ने घटना की जानकारी लेते हुए घायल जवान अभिमान राय को उपचार के लिए रायपुर भेजने को कहा।

मुख्यमंत्री ने जताया गहरा शोक

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जवानों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा में समर्पित हमारे जांबाज जवानों का निधन अत्यंत हृदयविदारक है और यह क्षति अपूरणीय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने दिवंगत जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने में कोबरा बटालियन के जवानों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में राज्य ▶▶ शेष पेज 6 पर

दो शिवधाम, शिवलिंग के कद के साथ बढ़ती जा रही आस्था

लवकुश शुक्ला ▶▶| रायपुर

महाशिवरात्रि आज

भगवान शिव की आस्था से जुड़े रायपुर से 35 से 40 किलोमीटर की दूरी पर दो ऐसे शिवधाम हैं, जिनके उद्भव से जुड़ी कई मान्यताएं उन्हें दूसरे शिवालयों से अलग पहचान दिलाती है। खास बात यह है कि शिवलिंग का कट लगातार बढ़ भी रहा है। इनमें एक धमधा-दुर्ग मार्ग पर स्थित कोड़िया गांव है। यहां 300 साल पहले मालगुजारी के दौर में जिस स्थान पर घुरवा हुआ करता था, वहीं से भू-फोड़ शिवलिंग ▶▶ शेष पेज 6 पर

शहर से 35 से 40 किमी पर दो शिवालय

कोड़िया गांव को शिवधाम पूर्ण होते हैं मनोरथ

श्री धीवर ने बताया कि तब मालगुजार ने छोटे से मंदिर का निर्माण करवाया। उस समय शिवलिंग की आकृति छोटे स्वरूप में थी। धीरे-धीरे अब शिवलिंग करीब तीन फीट ऊंचा हो गया है। मंदिर में शिवलिंग के सामने ध्यान करने से शिवलिंग ▶▶ शेष पेज 6 पर

मोहदेश्वर महादेव में आस्था का मेला

रायपुर जिले के मोहदा गांव में स्थित मोहदेश्वर धाम अनूठा शिवालय है, यहां के भू-फोड़ शिवलिंग से जुड़ी 204 साल पुरानी कई रोचक मान्यताएं हैं। यह जिले का इकलौता गांव है, जहां शिवलिंग का दर्शन करने के लिए ▶▶ शेष पेज 6 पर

पूर्वोत्तर में पहली आपातकालीन लैंडिंग सुविधा

असम में रचा इतिहास, 'बाहुबली' से ईएलएफ पर उतरे पीएम मोदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के डिब्रूगढ़ जिले में स्थित पूर्वोत्तर की पहली आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) पर बाहुबली सी-130जे विमान से शनिवार को ऐतिहासिक लैंडिंग की। प्रधानमंत्री मोदी ने चाबुवा हवाई क्षेत्र से उड़ान भरी और वह राष्ट्रीय राजमार्ग-37 स्थित मोरान के ईएलएफ पर उतरे। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह बेहद गर्व की बात है कि पूर्वोत्तर ▶▶ शेष पेज 6 पर

असम को दी सौगात

प्रधानमंत्री ने असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने छह लेन वाले पुल का उद्घाटन किया। यह पूर्वोत्तर में निर्मित पहला 'एक्सट्राडोज्ड प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट' पुल है। 3,030 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कुमार भास्कर वर्मा सेतु गुवाहाटी को उत्तरी गुवाहाटी से जोड़ेगा।

बड़े अफसरों के किताब लिखने पर लग सकती है 20 साल की रोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

■ नरवणे इफेक्ट के बाद रिटायर्ड अफसरों पर सख्ती की तैयारी

केंद्र सरकार वरिष्ठ पदों पर रहे अधिकारियों की सेवानिवृत्ति के बाद किताबें लिखने के लिए कड़े नियम लागू करने पर विचार कर रही है। यह विचार संसद में पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवाने की अप्रकाशित किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के ▶▶ शेष पेज 6 पर

क्यों नहीं प्रकाशित हुई नरवणे की किताब?

नरवणे की किताब के प्रकाशित नहीं होने के पीछे आर्मी रूल्स 1954 और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट 1923 है। 72 साल पुराना ये कानून सेवानिवृत्त अधिकारियों पर सीधे तौर पर लागू नहीं होते, लेकिन 2021 के पेंशन नियम संशोधन और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट 1923 पाबंदिया लगाता है। यानी ▶▶ शेष पेज 6 पर

पेड़ से टकराई एसयूवी पांच दोस्तों की मौत

चंडीगढ़। हरियाणा के सोनीपत जिले में एक एसयूवी पेड़ से टकरा गई और इस हादसे में पांच दोस्तों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। मृतकों की पहचान सागर, दीपक, साहिल, मोहित और अंकुश के रूप में हुई है। सभी की उम्र 22 से 27 साल के बीच है। सातों लोग गोहाना के भावड़ गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने के लौट रहे थे।

खाई में गिरी कार चार लोगों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में गहरी खाई में कार के गिरने से महिला और उसके बेटे सहित चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हादसे में कृष्णा (42), उनके बेटे हिमेश कुमार (19), सुषमा (47) और इंदर लाल (30) की मौत हो गई। विद्या कृष्ण (32) को चोटों के इलाज के लिए तापरी स्थित जेएसडब्ल्यू अस्पताल ले जाया गया।

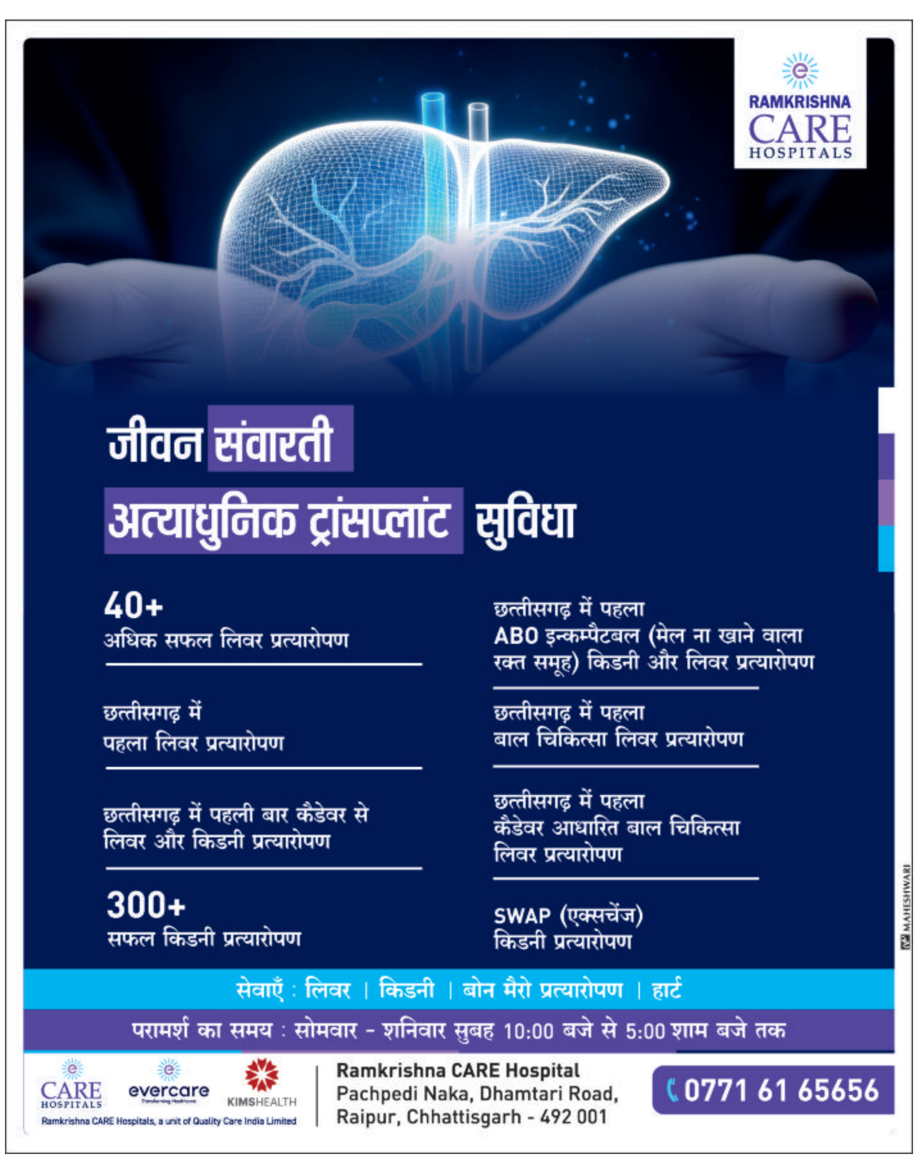

बांग्लादेश में हुए आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी ने बड़ी जीत हासिल की है। यह जीत 20 साल बाद बीएनपी की सत्ता में वापसी है। पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान अब बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। अहम सवाल यह है कि बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार का कार्यकाल भारत के लिए कैसा होगा? ज्ञातव्य है कि 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार आई, लेकिन उसके बाद से वहां अल्पसंख्यकों पर हमलों की बाढ़ आ गई। शेख हसीना को भारत द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने के पश्चात तो बांग्लादेश में उनके मुखालिफ राजनेताओं का रुख भारत के प्रति बेहद विरोधी और तल्ख होता हुआ दिखाई दिया। अब बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी। हालांकि, इतिहास देखकर डर लगता है। बीएनपी के विगत कार्यकालों में जो भी कड़वाहटें और मतभेद रहे हों, उनको पूर्णतः भुलाकर भारत आगे बढ़ाने के लिए तत्पर प्रतीत हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो दोस्ती का पैगाम तारिक रहमान को दिया है, उससे भारत और बांग्लादेश के मध्य परस्पर संबंध सुधारने के सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता *आजकल* का यह खास अंक...

बीएनपी की जीत के भारत के लिए मायने

विश्लेषण

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में हुए आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी ने बड़ी जीत हासिल की है। पार्टी ने संसद की 299 सीटों में से कम से कम 210 से ज़्यादा सीटें जीती हैं, जो दो-तिहाई बहुमत है। यह जीत 20 साल बाद बीएनपी की सत्ता में वापसी है। पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान अब बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। अहम सवाल यह है कि बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार का कार्यकाल भारत के लिए कैसा होगा? क्या यह खालिदा जिया के कार्यकाल की तरह होगा, जहां बांग्लादेश में हर समस्या के लिए भारत पर आरोप लगाया जाता था और भारत-विरोधी नैरेटिव चलाया जाता था? या फिर बीएनपी नए अवतार में सामने आएगी और भारत के साथ संबंध बेहतर बनाकर अवसर को भुनाएगी?

बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार जब भी रही है, तब भारत के साथ संबंधों में गर्मजोशी नहीं रही है। ऐसे में तारिक रहमान की अगुआई वाली बीएनपी का रुख़ क्या होगा? इस सवाल को लेकर चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं। बीएनपी की स्थापना 1978 में जियाउर रहमान ने की थी, जो भारत से दूरी और संप्रभुता पर जोर देती थी।

बीएनपी की विचारधारा इस्लामी राष्ट्रवाद और 'बांग्लादेश फर्स्ट' पर आधारित है। यह अवामी लीग की भारत-समर्थक और सेक्युलर नीति से अलग थी। खालिदा जिया के कार्यकाल 1991-96 और 2001-06 में संबंध सबसे खराब रहे। भारत ने बीएनपी पर आरोप लगाया कि वह उत्तर-पूर्व के उग्रवादी गुटों को शरण देती है, बॉर्डर पर घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा देती है। बीएनपी ने भारत पर बॉर्डर किलिंग्स, पानी बंटवारे और ट्रांजिट जैसे मुद्दों पर कड़ी आलोचना की। 2001-06 में बीएनपी-जमात गठबंधन के दौरान संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए थे।

बीएनपी का इस्लामी राष्ट्रवाद

बीएनपी की विचारधारा इस्लामी राष्ट्रवाद और 'बांग्लादेश फर्स्ट' पर आधारित है। यह अवामी लीग की भारत-समर्थक और सेक्युलर नीति से अलग थी। खालिदा जिया के कार्यकाल 1991-96 और 2001-06 में संबंध सबसे खराब रहे। भारत ने बीएनपी पर आरोप लगाया कि वह उत्तर-पूर्व के उग्रवादी गुटों को शरण देती है, बॉर्डर पर घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा देती है। बीएनपी ने भारत पर बॉर्डर किलिंग्स, पानी बंटवारे और ट्रांजिट जैसे मुद्दों पर कड़ी आलोचना की। 2001-06 में बीएनपी-जमात गठबंधन के दौरान संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए। अवामी लीग की शेख हसीना के दौर 2009-2024 में अवामी लीग की भारत-समर्थक नीतियों के कारण बीएनपी को विपक्ष में रहते हुए भारत-विरोधी नैरेटिव अपनाना पड़ा। अवामी लीग भारत-समर्थक थी, जबकि बीएनपी भारत को संदेह की नज़र से देखती रही, लेकिन 2024-2025 में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट आ गया। छात्र आंदोलन से शेख हसीना की सरकार गिरी और वे भारत में शरण लेने को मजबूर हुईं। इसके बाद भारत-बांग्लादेश संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे।

मुलाकात के सकारात्मक संकेत

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में ढाका जाकर तारिक से मुलाकात की, जो सकारात्मक संकेत है। हाल के समय में बीएनपी रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रही है। तारिक ने कहा कि बीएनपी भारत से अच्छे रिश्ते चाहती है, लेकिन बांग्लादेश के हित पहले हैं। वे अर्थव्यवस्था-आधारित विदेश नीति चाहते हैं और भारत से 'सम्मान और बराबरी' पर रिश्ते। उनके संकेत बताते हैं कि वे हसीना के समय की 'निर्भरता' से दूर रहेंगे, लेकिन संघर्ष नहीं चाहते। बहरहाल, दोनों देशों के बीच व्यापार, सुरक्षा और सीमा के मुद्दे जुड़े हैं। शेख हसीना के समय भारत-बांग्लादेश रिश्ते गोल्डन एरा में थे, लेकिन 2024 के आंदोलन के बाद तनाव बढ़ा। क्योंकि भारत की बांग्लादेश नीति हसीना पर ज़्यादा निर्भर थी, जो अब एक गंभीर रणनीतिक भूल के रूप में देखी जा रही है। सुरक्षा और व्यापार में घनिष्ठ सहयोग के बदले भारत ने लोकतंत्र से जुड़ी चिंताओं को अपेक्षाकृत कम महत्व दिया। चीन ने लंबी अवधि के निवेशों के माध्यम से अपनी स्थिति को मज़बूत किया, जो राजनीतिक परिवर्तनों के बावजूद टिके रह सकें।

भारतीय कपास पर निर्भरता

दूसरी तरफ अमेरिका ने इसमें एक नया आयाम जोड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी कच्चे माल से बने कुछ बांग्लादेशी वस्त्र निर्यात पर ज़ीरो टैरिफ़ कर दिया है। बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग उसकी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। चीन के बाद बांग्लादेश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपड़ा निर्यातक है। बता दें, भारत-बांग्लादेश के बीच सालाना 14 अरब डॉलर का व्यापार है। इससे भारत को करीब 10 अरब डॉलर का सरप्लस मिलता है। बांग्लादेश का वस्त्र उद्योग भारतीय कपास पर काफी हद तक निर्भर है। अगर बांग्लादेश ने इसके लिए चीन की ओर झुकाव दिखाया तो भारतीय निर्यात, खासकर कपास के किसानों पर इसका असर देखने को मिल सकता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बीएनपी की जीत पर बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भारत एक लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के समर्थन में खड़ा रहेगा। मैं बहुआयामी संबंधों को मज़बूत करने और साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए तारिक़ रहमान साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। साफ है, पीएम मोदी का बधाई संदेश यह भी जा रहा है कि भारत बांग्लादेश की नई सरकार के साथ संबंधों को सुधारना चाहता है। भारत चाहता है कि पिछले 18 महीनों की उथल-पुथल को पीछे छोड़कर, जिसमें बांग्लादेश का चीन और पाकिस्तान के साथ बढ़ता संपर्क और हिंदू अल्पसंख्यकों की हत्याएं शामिल रहीं, एक स्थिर और कामकाजी रिश्ता बनाया जाए, ताकि दशकों पुराना सहयोगी साथ बना रहे।

शेख हसीना के दौर में दिल्ली और ढाका के रिश्ते स्थिर माने जाते थे। उनके कार्यकाल में व्यापार, परिवहन, सीमा सुरक्षा और जल बंटवारे पर ध्यान दिया गया। हालांकि दोनों मुल्कों के बीच कई विवादित मुद्दे अब भी बने हुए हैं, जिनमें तीस्ता नदी का प्रश्न शामिल है।

पुराने संबंध बहाल के प्रयास

भारत की कोशिश रहेगी कि अगर पुराने संबंध बहाल न हों तो भी आगे और रणनीतिक दूरी न पैदा हो, क्योंकि दोनों देशों के संबंध कई दशकों में सबसे निचले स्तर पर हैं। ढाका में यह धारणा व्यापक है कि दिल्ली ने अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना का समर्थन कर लोकतांत्रिक गिरावट को बढ़ावा दिया। इस सोच ने भारत विरोधी भावनाओं को तेज किया है और उस संबंध को कमजोर कर दिया है, जिसे कभी आदर्श पड़ोसी संबंध कहा जाता था। बहरहाल, रिश्ते सुधारने के लिए दोनों पक्षों को प्रयास करने होंगे। दोनों देशों को मिलकर काम करना होगा, ताकि सीमा सुरक्षित रहे, व्यापार बढ़े और अल्पसंख्यक सुरक्षित रहें।

बांग्लादेश में अब हिंदुओं के लिए उम्मीद या खतरा

मुद्दा

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए आम चुनावों ने सबको चौंका दिया है। इन चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भारी बहुमत हासिल कर लिया। तारिक रहमान अब नए प्रधानमंत्री बनने वाले हैं और उनकी पार्टी ने 209 से ज्यादा सीटें जीतीं, जो दो-तिहाई बहुमत है। जमायते-ए- इस्लामी जैसी इस्लामी पार्टी दूसरे नंबर पर आई है, लेकिन बीएनपी की जीत से लगता है कि लोग बदलाव चाहते हैं। 2024 के छात्र विद्रोह के बाद शेख हसीना की अवामी लीग को बैन कर दिया गया था और ये पहला चुनाव था, जहां लोग आजादी से वोट डाल सके। अब सवाल ये है कि क्या इस नई सरकार में हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों को सुरक्षा मिलेगी, या उनकी हालत पहले जैसी ही खराब रहेगी? ये सिर्फ एक देश की नहीं, बल्कि इंसानियत की बात है। सबसे पहले तो बांग्लादेश के इतिहास को समझना जरूरी है। 1971 में जब बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग हुआ, तो वो धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में बना था। उसके बाद से अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं की हालत लगातार खराब होती गई। उस समय हिंदू आबादी 30 फीसद के करीब थी, लेकिन अब घटकर 8-9 फीसद रह गई है। बार-बार हमले, लूटपाट, बलात्कार और जमीन हड़पने की घटनाएं हुईं। अवामी लीग के समय में भी हमले होते थे, लेकिन बीएनपी और जमात के साथ मिलकर सरकार बनने पर ये और बढ़ जाते थे। हजारों घर जलाए गए, महिलाओं के साथ जुल्म हुए और कई लोग मारे गए। मानवाधिकार संगठनों ने रिपोर्ट की कि ये हमले बीएनपी के समर्थकों और जमायते- ए- इस्तामी के लोगों ने किए थे, क्योंकि हिंदुओं को अवामी लीग का समर्थक माना जाता था। 1971 के मुक्ति संग्राम में जमात ने पाकिस्तान का साथ दिया था और हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार किए थे। बीएनपी की जीत से पुरानी यादें ताजा हो रही हैं। अब बात करें हाल की। 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार आई, लेकिन उसके बाद से अल्पसंख्यकों पर हमलों की बाढ़ आ गई। हिंदू घरों को जलाया गया, मंदिर तोड़े गए, और लोग मारे गए। चुनाव से पहले ये हमले और बढ़ गए। ये हमले सिर्फ हिंदुओं पर नहीं, बल्कि बौद्ध, ईसाई और आदिवासी समुदायों पर भी हुए। कई लोग कहते हैं कि ये हमले धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक हैं, क्योंकि हिंदुओं को अवामी लीग का समर्थक माना जाता है, तो बदला लिया जा रहा है। बांग्लादेश सरकार कहती है कि ज्यादातर घटनाएं सांप्रदायिक नहीं, बल्कि साधारण अपराध हैं। लेकिन मानवाधिकार संगठन और हिंदू नेता कहते हैं कि ये सिस्टेमैटिक है, और चुनाव के समय में बढ़ रहा है। बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं, और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी। लेकिन इतिहास देखकर डर लगता है। अगर जमात के साथ गठबंधन हुआ, तो इस्लामी कानूनों की मांग बढ़ सकती है, जो अल्पसंख्यकों के लिए मुश्किल होगी। अब सवाल ये है कि क्या हालत सुधरेगी? बीएनपी की जीत से कुछ लोग उम्मीद कर रहे हैं। चुनाव में वोटर टर्नआउट 59 फीसद था, और लोग लोकतंत्र चाहते हैं। बीएनपी ने अर्थव्यवस्था सुधारने और लोकतंत्र बहाल करने का वादा किया है, लेकिन अल्पसंख्यकों के लिए ये टेस्ट होगा। अगर सरकार ने सख्त कदम नहीं उठाए, तो हमले जारी रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर भारत को दबाव बनाना चाहिए। भारत ने पहले ही कहा है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा जरूरी है। सोशल मीडिया पर भी लोग बात कर रहे हैं, जैसे एक यूजर ने कहा कि बीएनपी की जीत से हिंदुओं की सुरक्षा मजबूत होनी चाहिए, लेकिन निगरानी जरूरी है। ये कोई राजनीतिक खेल नहीं है। ये लाखों लोगों की जिंदगी का सवाल है। बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध, ईसाई सबको बराबर हक मिलना चाहिए। अगर बीएनपी सरकार ने पुरानी गलतियां नहीं दोहराईं, और जमात जैसे कट्टरपंथियों को काबू में रखा, तो शायद हालत सुधरें। अगर नहीं तो स्थिति और खराब हो सकती है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि नई सरकार सबको साथ लेकर चले, क्योंकि एक देश तभी तरक्की करता है जब सब सुरक्षित महसूस करें। भारत जैसे पड़ोसी देशों को मदद करनी चाहिए, लेकिन बिना दखल दिए। आखिर में, इंसानियत से ऊपर कुछ नहीं।

बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं, और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी, लेकिन इतिहास देखकर डर लगता है। अगर जमात के साथ गठबंधन हुआ, तो इस्लामी कानूनों की मांग बढ़ सकती है।

मोहम्मद यूनुस के किरदार की गंभीरता को समझना होगा

बांग्लादेश

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

बीते दो वर्षों में बांग्लादेश में राजनीतिक भूचाल आया। पहली बार ऐसा हुआ कि किसी एशियाई प्रधानमंत्री को देश से भागना पड़ा, लेकिन अब बांग्लादेश की सियासत में आए दिन लिखी जाने वाली नई गाथा के बाद एक नया कूटनीतिक अध्याय शुरू होगा। आम चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने कड़े स्वर में कहा कि सत्ता संभालते ही उसका पहला बड़ा एजेंडा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण होगा। सवाल सिर्फ कानूनी नहीं, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला भी है। चूंकि बीते लंबे समय से हसीना को लेकर भारत-बांग्लादेश के अलावा पूरी दुनिया की निगाह है कि आखिर शेख हसीना को लेकर अगला अध्याय क्या होगा, लेकिन अब चुनाव के बाद दिशा मिल गई। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने स्पष्ट कहा है कि उनकी पार्टी भारत से औपचारिक रूप से शेख हसीना को ट्रायल के लिए बांग्लादेश प्रत्यर्पित करने का आग्रह करेगी। उनका कहना है कि यह मामला दोनों देशों के संबंधित मंत्रालयों के बीच तय कानूनी प्रक्रिया के तहत सुलझाया जाना चाहिए। बीएनपी का तर्क है कि हसीना के कार्यकाल में हुए कथित दमन और भ्रष्टाचार के मामलों की निष्पक्ष सुनवाई जरूरी है। पार्टी ने भारत से सहयोग की उम्मीद जताई है, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया है कि न्यायिक प्रक्रिया से पीछे हटने का सवाल नहीं उठता। बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत के बाद पार्टी नेता तारिक रहमान देश की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही दो दशक बाद बांग्लादेश की सत्ता में बीएनपी की वापसी हो रही है। इसका असर भारत पर भी होगा। पूर्व सत्ताधारी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी गई थी। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की 15 साल पुरानी सरकार गिर गई थी, जिसके बाद से देश राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा के दौर से गुजर रहा था। अब बांग्लादेश में सत्ता के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वहां बदहाली व गुंडागर्दी को कैसे नियंत्रित करेगी। चूंकि पूरी दुनिया ने खुली आंखों से देखा कि किस तरह देश के प्रधानमंत्री की भी जान सुरक्षित नहीं है। गुंडागर्दी का तांडव ऐसा हुआ कि वहां हसीन के निजी अंगवस्त्रों के साथ फोटो सोशल मीडिया पर डाले, जिससे विश्व पटल पर थू-थू हुई। किसी भी सरकार का जीतना एक बार को सरल है, लेकिन शांति कायम करना और व्यवस्थित तौर पर संचालित करना करना बेहद चुनौतीपूर्ण, चूंकि वहां की जनता जो शेख हसीना के समय कर चुकी, वह दोबारा न हो। मोहम्मद यूनुस एक ब्रांड के रूप में जाने जाते हैं। उनकी वैश्विक पहचान एक सामाजिक उद्यमी और नागरिक समाज के नेता के रूप में रही है। उनकी यह घोषणा थी कि वह चुनाव के बाद सत्ता में नहीं रहेंगे, लेकिन आज बांग्लादेश की सरकार को यूनुस की कितनी आवश्यकता है और क्या वह उनके किरदार व अनुभव का इस्तेमाल करके अपने आप को सशक्त करने का प्रयास करेंगे। कुल मिलाकर शांति स्थापित करने के लिए किस तरह पटकथा लिखी जाएगी, अभी यह तय होना बाकी है। लेकिन सरकार को यूनुस का फायदा यह मिल सकता है कि उनकी साख सभी नेताओं से बहुत मजबूत मानी जाती है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी इस ट्रांजिशन पर नजर बनाए हुए है और संभावना जताई जा रही है कि चुनाव के बाद यूनुस फिर से सामाजिक विकास, गरीबी उन्मूलन और फिनटेक आधारित वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इस तरह उनका भविष्य प्रत्यक्ष राजनीति से दूर, लेकिन राष्ट्रीय पुनर्निर्माण से जुड़ा रह सकता है। ज्ञात हो कि टाइम मैगजीन ने बुधवार को वर्ष 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी की थी जिसमें मोहम्मद यूनुस को जगह मिली है, जिससे उन्हें विश्व पटल पर बड़ी पहचान मिली थी। बहरहाल, अब बांग्लादेश को स्वयं को लेकर अपनी सकारात्मक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी चूंकि जितना नुकसान बीते कुछ समय में हुआ है उसकी भरपाई करना बेहद मुश्किल है। सरकार का नया स्वरूप ऐसा होना चाहिए कि वह अपनी छवि को सुधारते हुए सभी के साथ चले और देश की जनता में अपना विश्वास बनाए रखे।

मोहम्मद यूनुस एक ब्रांड के रूप में जाने जाते हैं। उनकी वैश्विक पहचान एक सामाजिक उद्यमी और नागरिक समाज के नेता के रूप में रही है।

संघर्ष जारी रहेगा और हसीना का प्रत्यर्पण भी नहीं होगा

चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की भारी जीत के बाद लंदन की जगह दिल्ली ने ले ली है। जब शेख हसीना ढाका से सरकार चलाती थीं, तब तारिक लंदन से उन पर निगाह रखते थे। अब रहमान सरकार चलाएंगे और हसीना दिल्ली से उस पर निगाह रखेंगी। उसका मतलब यह नहीं है कि रहमान हसीना के प्रत्यर्पण की मांग नहीं करेंगे। हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस भी करते रहे हैं और तारिक भी करते रहेंगे।

बांग्लादेश में विद्रोह के बाद शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। इस बहाने उनके प्रत्यर्पण की मांग तारिक समेत कई अन्य नेता भी करते रहे हैं, लेकिन अब तारिक का सुर नरम हो सकता है। इसकी वजह यह है कि वे यूनुस की तुलना में कहीं ज्यादा वैध लोकतांत्रिक सरकार के मुखिया बनने जा रहे हैं। लोकतांत्रिक सत्ता उतनी कट्टर और कठोर नहीं हो सकती, जैसी वीणा वैध मतदान के बाद आईं सरकारें होतीं हैं। वैसे भी भारत शेख हसीना को बांग्लादेश नहीं भेजने जा रहा है। बीएनपी का रुख भारत समर्थक तो नहीं ही रहा है, लेकिन बीएनपी प्रमुख ख़ालिदा जिया के निधन के बाद भारत ने जिस तरह का रुख़ अपनाया, उससे तारिक के मन की गांठ खुली है। ख़ालिदा के शोक के वक़्त जिस तरह भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कदम उठाया और ढाका जाकर तारिक से दुख व्यक्त किया, उसे बांग्लादेश के साथ भारत की भावी रणनीति और संभावनाशील संबंधों की बानगी माना जा सकता है। भारत को अंदेशा था कि चुनावों में बीएनपी को समर्थन मिल सकता है, इसलिए उसने सही समय पर सही कदम उठाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। वैसे भी बांग्लादेश की सबसे प्रभावी पार्टी रही अवामी लीग ने चुनावों का बहिष्कार करने की घोषणा कर रखी थी। फिर यूनुस सरकार और कट्टरपंथी जमात ए इस्लाम के नेताओं ने अवामी लीग की राह में जमकर कांटे बोए। ऐसे में बीएनपी की जीत की उम्मीद बेमानी भी नहीं थी। भारत की ओर से तारिक रहमान से संपर्क साधना शुरू हो गया था। इसका असर तारिक के चुनाव प्रचार में भी दिखाई दिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भूलकर भी भारत के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया, जिससे भविष्य में दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है। हसीना की वापसी पर भारत कहता रहा है कि शेख़ हसीना को बांग्लादेश लौटना है या नहीं, इसका फैसला उन्हें ही करना है। चुनाव आयोग के आधिकारिक नतीजों से पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने बीएनपी की जीत को जनता का भरोसा बताने में देर नहीं लगाई। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक और समावेशी बांग्लादेश के साथ काम करने को तैयार है। चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रही हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान। इसमें सिर्फ 48 प्रतिशत वोटिंग हुई है, यानि 52 प्रतिशत लोगों ने मतदान ही नहीं किया।

चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रही हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान।

ध्यान देने की बात है कि शेख हसीना को बांग्लादेश के 35 प्रतिशत से अधिक लोगों का समर्थन मिलता रहा है। कम मतदान का मतलब है कि हसीना के समर्थकों ने बड़े पैमाने पर चुनाव का बहिष्कार किया। इसके साथ ही केवल 48 प्रतिशत मतदान का मतलब है कि तारिक रहमान की अगुआई वाले गठबंधन को देश के ज्यादतर लोगों का समर्थन नहीं मिला। इसका संदेश साफ़ है कि हसीना का 'वोट बैंक' खत्म नहीं हुआ है, बल्कि वह फिलहाल चुप है। इससे अवामी लीग के लिए भविष्य में वापसी की उम्मीद तो बनती ही है, बीएनपी के लिए चेतावनी भी है। आधे से भी कम मतदान के बाद मिली जीत भी वैध नहीं मानी जा सकती। अवामी लीग के ख़िलाफ़ बगावत के बीज उनके आख़िरी चुनाव के दौरान तत्कालीन विपक्षी दलों के चुनाव बहिष्कार से ही पड़ गए थे। कुछ वैसा ही हाल बीएनपी के साथ भी हो सकता है। आधे से भी कम आबादी की वोटिंग आगे जाकर जीतने वाली सरकार की वैधता पर सवाल का कारण बन सकती है।

शेख हसीना भी जानती हैं कि हिंसक प्रदर्शन के बाद हुए चुनाव के बाद आई नई सरकार को करीब तीस प्रतिशत लोगों का ही समर्थन हासिल है। कम मतदान और मौजूदा सरकार का कम आधार आगे चलकर शेख हसीना के लिए संघर्ष का नया बहाना बन सकता है। वे इसे अपने लिए नैतिक जीत बता सकतीं हैं और इस आधार पर अवामी लीग के लिए फिर से सहयोग की व्यापक मांग कर सकती हैं। साफ़ है कि बांग्लादेश का न तो संघर्ष ख़त्म होने जा रहा है और न शेख हसीना का प्रत्यर्पण। इस हालात में भारत को संतुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ना होगा।

भारत को चीन और पाकिस्तान पर भी रखनी होगी नजर

दृष्टिकोण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी वस्तुतः तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश का आम चुनाव दो तिहाई बहुमत से जीत चुकी है। उल्लेखनीय है मोहम्मद यूनुस हुकूमत द्वारा बांग्लादेश के आम चुनाव में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को प्रतिबंधित करके चुनाव में शिरकत नहीं करने दी गई। उम्मीद की जा रही है कि खालिदा जिया के साहबजादे तारिक रहमान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो जाएंगे। तारिक तकरीबन 17 वर्षों तक लंदन में राजनीतिक शरण में रहे। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल जियाउर रहमान ने सन् 1978 में बांग्लादेश नेशनल पार्टी का गठन किया था। 1981 में जियाउर रहमान के कत्ल के बाद पार्टी का संचालन जियाउर रहमान की बेगम खालिदा जिया ने किया, जोकि बांग्लादेश की तीन दफा प्रधानमंत्री रही।

2007 में बांग्लादेश में सैन्य समर्थन वाली कार्यवाहक सरकार के कार्यकाल के दौरान तारिक रहमान को भ्रष्टाचार के संगीन इल्जाम में गिरफ्तार किया गया और तकरीबन 18 महीने जेल काटने के बाद सितंबर 2008 में तारिक रहमान को रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद में सपरिवार बांग्लादेश से पलायन करके लंदन में शरणागत हो गए। बांग्लादेश में अगस्त 2024 में शेख हसीना हुकूमत का तख्ता पलट हो जाने के पश्चात, तारिक वापस बांग्लादेश लौट आए। यक्ष प्रश्न है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश के ताल्लुकात किस कदर परवान चढ़ेंगे। बांग्लादेश की राजसत्ता पर आसीन हुई मोहम्मद यूनुस हुकूमत द्वारा पाकिस्तान के साथ अपने ताल्लुकात सुधारने की जबरदस्त कोशिश अंजाम दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बीएनपी की हुकूमत का पाकिस्तान के साथ दोस्ताना रवैया स्थापित हो जाएगा। शेख हसीना की हुकूमत के दौरान बांग्लादेश का रवैया भारत के प्रति अत्यंत दोस्ताना बना रहा था, किंतु इसके तत्पश्चात यूनुस हुकूमत में भारत और बांग्लादेश के ताल्लुकात बिगड़ते हुए दिखाई देने लगे। शेख हसीना को भारत द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने के पश्चात तो बांग्लादेश में उनके मुखालिफ राजनेताओं का रुख भारत के प्रति बेहद विरोधी और तल्ख होता हुआ दिखाई दिया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सरकर्दा हाकिम मोहम्मद यूनुस भारत सरकार से शेख हसीना को बांग्लादेश प्रत्यर्पण करने की निरंतर दरख्वास्त करते रहे। यूनुस की अंतरिम हुकूमत के दौर में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के बेगुनाह इंसानों पर इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा निरंतर वहशियाना हमले होते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर निरंतर होने वाले कातिलाना हमलों के विरोध में अपनी आवाज बुलंद की। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रति भारत सरकार की मानवीय भावनाओं और संवेदनाओं को बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस हुकूमत ने अपने आंतरिक मामलों में दखलंदाजी करार दिया। हिंदू विरोधी और भारत विरोधी वहशियाना पागलपन के दौर में बांग्लादेश हुकूमत ने पाकिस्तान से अपने कूटनीतिक ताल्लुकात सुधारने का मौका तलाश लिया।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सरकर्दा हाकिम मोहम्मद यूनुस भारत सरकार से शेख हसीना को बांग्लादेश प्रत्यर्पण करने की निरंतर दरख्वास्त करते रहे।

उल्लेखनीय है कि शेख हसीना के हुकूमत के संपूर्ण दौर में पाकिस्तान और बांग्लादेश के परस्पर रिश्ते निरंतर खराब बने रहे। अवामी लीग की हुकूमत द्वारा 1971 के युद्ध में बांग्लादेश मुक्ति वाहिनी के खिलाफ कातिलाना साजिश रचने और बेगुनाह बांग्लादेशियों के नरसंहार में पाकिस्तानी फौज की सक्रिय मदद करने के इल्जाम में अनेक पाकिस्तान समर्थक जमात ए इस्लामिया के कारकूनों को सजा ए मौत दे दी गई। अगस्त 1924 के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस से दो बार कूटनीतिक मुलाकात अंजाम दी। इन मुलाकातों के दौरान पाकिस्तान और बांग्लादेश के मध्य सैन्य कूटनीतिक संबंधों को ताकतवर बनाने की कोशिश की गई। जनरल जियाउल हक की हुकूमत के दौर में पाकिस्तान और पाकिस्तान की फौज का इस्लामीकरण किया गया था। बांग्लादेश की जमात ए इस्लामिया एक कट्टरपंथी इस्लामी तंजीम है जो कि पाकिस्तान की कट्टर समर्थक रही है। दुर्भाग्यवश बांग्लादेश के समाज और सरकार पर इस्लामी कट्टरपंथियों का प्रभाव निश्चित रूप से ही बढ़ रहा है। बांग्लादेश और पाकिस्तान के मध्य निरंतर बढ़ती हुई कूटनीतिक और राजनीतिक घनिष्ठता भारत के लिए खतरनाक संकेत प्रदान कर रही है। जहां तक साम्यवादी चीन का संबंध है, विगत अनेक दशकों से से पाकिस्तान के साथ चीन के कूटनीतिक और आर्थिक रिश्ते बहुत गहरे और नजदीकी रहे हैं। विस्तारवादी फितरत का चीन यकीनन बांग्लादेश में भी अपनी आर्थिक और सामरिक घुसपैठ निरंतर जारी रखेगा। कूटनीतिक तौर पर भारत के लिए बांग्लादेश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार का सत्तासीन होना और इस्लामी कट्टरपंथियों का निरंतर शक्तिशाली होते जाना भारत के लिए एक कड़ी चुनौती के तौर पर सामने आया है। बांग्लादेश के साथ भारत की तकरीबन 4000 किलोमीटर सरहद जुड़ी हुई है। बांग्लादेश की ओर से घुसपैठ का खतरा निरंतर बढ़ रहा है। भारत को अब अपनी सरहद पर चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की तरफ से होने वाली घुसपैठ से निरंतर सतर्क और सावधान निगरानी रखनी होगी। वर्ष 2025 के जून में चीन के कुनमिंग शहर में बांग्लादेश और पाकिस्तान के विदेश सचिवों के साथ चीन के विदेश उपमंत्री सुन वेइदोंग की त्रिपक्षीय बैठक ने भारत के लिए प्रबल चिंता का संकेत दे दिया है। भारत सरकार ने बांग्लादेश नेशनल पार्टी के साथ अपने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए कोशिश प्रारंभ की है, जबकि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर खालिदा जिया के निधन के वक्त बांग्लादेश गए थे। खालिदा जिया की हुकूमत के दौर में बांग्लादेश ने भारत के उल्फा के पृथकतावादियों को शरण और संरक्षण प्रदान किया था। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के विगत कार्यकालों में जो भी कड़वाहटें और मतभेद रहे हों, उनको पूर्णतः भुलाकर भारत आगे बढ़ाने के लिए तत्पर प्रतीत हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो दोस्ती का पैगाम तारिक रहमान को दिया है, उससे भारत और बांग्लादेश के मध्य परस्पर संबंध सुधारने के सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं।

खबर संक्षेप

एलओसी के पास ड्रोन से गिराई 6.5 किलो हेरोइन जब्त

जम्मू। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शनिवार को सीमा पार से ड्रोन द्वारा की गई नशीले पदार्थों की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए 40 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 6.5 किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई। अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार से ड्रोन के जरिए सामग्री गिराए जाने की सूचना मिलने पर तलाशी के दौरान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास के खेत में हेरोइन से भरे पीले रंग के दो पैकट बरामद किए गए, जिनमें 6.582 किलोग्राम हेरोइन थी। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान में एक /"बड़ी उपलब्धि/" करार दिया। ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से हेरोइन की तस्करी करने के आरोप में दो लोगों की गिरफ्तारी के एक दिन बाद हुई है। बरामद किए गए नशीले पदार्थों के स्रोत तथा उन्हें कहां ले जाया जाना था इसका पता लगाने के लिए जांच जारी है।

झारखंड के दुमका में मां बेटी की हत्या, एक गिरफ्तार

रांची। झारखंड के दुमका जिले में एक महिला और उसकी पांच वर्षीय बेटी की हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने महिला से दुष्कर्म का प्रयास किया था और विरोध करने पर उसने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, यह घटना मंगलवार शाम को तब हुई जब 35 वर्षीय महिला अपनी पांच वर्षीय बेटी के साथ वीर कुंवर सिंह चौक के पास खड़ी थी तभी आरोपी उसे डरा-धमकाकर सूनसान इलाके में ले गया। जब महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी और बच्ची का भी गला घोंट दिया। आरोपी के पास से 5,000 रुपये भी बरामद किए हैं, जो उसने कथित तौर पर हत्या के बाद महिला के पर्स से निकाले थे।

कॉमनवेल्थ देशों के जजों की 11वीं द्विवार्षिक बैठक में बोले मुख्य न्यायाधीश

जज परफेक्ट नहीं होते इसे स्वीकारना ही ज्युडिशियल लीडरशिप की असली ताकत

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को न्यायपालिका के पारंपरिक ढांचे और सोच को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ जूडिशियल एजुकेटर्स की 11वीं द्विवार्षिक बैठक के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जज परफेक्ट या सर्वगुण संपन्न नहीं होते और इस बात को स्वीकार करना ही न्यायिक नेतृत्व की असली ताकत है। न्यायिक नेतृत्व इस कारण कमजोर नहीं होता कि जज परफेक्ट नहीं हैं, बल्कि तब प्रभावित होता है जब जज यह दिखाने लगते हैं कि वे बिल्कुल परफेक्ट हैं।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सीजेआई ने इसके साथ ही न्यायिक नेतृत्व को देखने के तरीके में बदलाव की जरूरत बताई। साथ ही सुझाव दिया कि राष्ट्रमंडल (कॉमनवेल्थ) देशों में न्यायिक शिक्षा, बार (वकील) और बेंच (जज) को जोड़ने के लिए एक संस्था बनाई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जज और न्यायिक संस्थाएं दोनों ही सीखने, सुधार करने और आगे बढ़ने में सक्षम होते हैं। उन्होंने कॉमनवेल्थ जूडिशियल एजुकेशन इंस्टीट्यूट की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान जजों को केवल कानून का अनुवादक नहीं, बल्कि न्याय का एक बुद्धिमान संरक्षक बनाने में मदद कर रहा है।

गलती मानना कमजोरी नहीं, पेशेवर सुरक्षा है

सीजेआई ने विनम्रता को एक व्यक्तिगत गुण के साथ-साथ एक पेशेवर सुरक्षा कवच बताया और जोर दिया कि इसे हर न्यायिक अधिकारी को सिखाया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि न्यायिक नेतृत्व को तब नुकसान नहीं पहुंचता जब जज अपनी कमियों को स्वीकार करते हैं, बल्कि नुकसान तब होता है जब जज यह दिखावा करते हैं कि वे कभी गलत नहीं हो सकते। इतिहास गवाह है कि सबसे सम्मानित न्यायिक नेता वे नहीं थे जिन्होंने खुद को दोषरहित दिखाया, बल्कि वे थे जो अपनी ज्ञान की सीमाओं को जानते थे और सुधार के लिए तैयार रहते थे।

बदलते दौर में कानून की नई व्याख्या

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कानून को एक जीवंत इकाई बताया जो समय के साथ विकसित होता है। उन्होंने कहा कि जजों की असली परीक्षा तब होती है जब समाज बदलता है और नई चुनौतियां सामने आती हैं। ऐसे में जजों को केवल पुराने फैसलों का मास्टर ही नहीं होना चाहिए, बल्कि उनमें कानून की ऐसी व्याख्या करने की फुर्ती भी होनी चाहिए जो वर्तमान समय में न्याय सुनिश्चित कर सके।

देशों में न्यायिक शिक्षा, बार (वकील) और बेंच (जज) को जोड़ने के लिए एक संस्था बनाई जानी चाहिए

जुडिशियल ऑफिसर में क्या खास गुण होने चाहिए

उन्होंने ये भी कहा कि 'इस मायने में, नम्रता कभी भी केवल एक व्यक्तिगत गुण नहीं रही है, यह एक प्रोफेशनल सुरक्षा है और मेरा विश्वास है कि इस महत्वपूर्ण टूल को प्रत्येक जुडिशियल ऑफिसर को बिना अपवाद के निश्चित रूप से पढ़ाया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि जजों की भूमिका सिर्फ स्थापित उदाहरणों में महारत प्राप्त होना नहीं है, बल्कि न्याय को लेकर समय की मांग के अनुसार फुर्ती से कानून की व्याख्या में काबिल होना भी आवश्यक है।

सीखने, सुधार करने व खुद को बदलने की क्षमता रखें

कार्यक्रम की थीम जुडिशियल लीडरशिप पर उन्होंने कहा कि लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि नियुक्ति के बाद एक जज पूरी तरह से फिनिश्ड प्रोडक्ट (तैयार उत्पाद) बन जाता है, जिसे अब कुछ और सीखने की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि यह विचार भले ही संस्था की तारीफ करता हो, लेकिन यह सेवा नहीं करता। हमें इस ईमानदार सच्चाई को स्वीकार करना होगा कि जज भी इंसानों की तरह लगातार सीखने, सुधार करने और खुद को बदलने की क्षमता रखते हैं।

कॉमनवेल्थ अपेक्स बॉडी' बनाने का आह्वान

न्यायिक व्यवस्था में एक क्रांतिकारी बदलाव का सुझाव देते हुए चीफ जस्टिस ने एक कॉमनवेल्थ अपेक्स बॉडी बनाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि यह संस्था सदस्य देशों के बीच न्यायिक शिक्षा, बार (वकीलों) और बेंच (जजों) के बीच तालमेल बिठाने का काम करेगी।

मां ने तीन बच्चों को पिला दी 'मौत की चाय', तीनों ने दम तोड़ा

अलीराजपुर। मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिले से एक बेहद दर्दनाक और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, आम्बुआ थाना क्षेत्र के ग्राम अडवाड़ा निवासी 30 वर्षीय नूर बाई पति मुकेश ने शुक्रवार शाम घर में रखी कीटनाशक दवा को चाय में मिलाया। उसने अपनी दो बेटियों और एक बेटे को वह चाय पिलाई और खुद भी पी ली। कुछ ही देर में बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजनों को घटना की जानकारी हुई।

बच्चों की इहलीला समाप्त, मां बच गई : *पुलिस ने बताया कि तीनों में सबसे बड़ी बेटी सावित्री (7) की मौत जिला अस्पताल में हो गई। बेटे कार्तिक (5) और छोटी बेटी दिव्या (3) को मां के साथ गुजरात के दाहोद रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों बच्चों ने भी दम तोड़ दिया। फिलहाल नूर बाई का इलाज दाहोद के अस्पताल में जारी है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।*

मप्र के अलीराजपुर में दर्दनाक घटना

पारिवारिक विवाद की आशंका
प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि महिला का पति मुकेश पिछले एक महीने से मजदूरी के लिए गुजरात में था। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि दंपति के बीच हाल में किसी प्रकार का तनाव या विवाद तो नहीं था। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के पीछे की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

बांग्लादेश के लोगों को अब मिली असली आजादी और अधिकार

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में बीएनपी को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान ने इसे जनता की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि यह जीत लोकतंत्र के लिए बलिदान देने वाले लोगों को समर्पित है।

चुनाव नतीजों के बाद ढाका के एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में तारिक रहमान ने कहा कि आज से देश में आजादी और अधिकारों का असली स्वरूप फिर से बहाल हुआ है। बीएनपी प्रमुख ने स्पष्ट कहा कि किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था बनाए रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी बहाने से किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सुरक्षित और मानवीय बांग्लादेश बनाने के लिए सबके सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब देश के पुनर्निर्माण का समय है और हर पक्ष को जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी। उन्होंने समर्थकों से भी संयम बरतने और शांति बनाए रखने की अपील की।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

24.3% लोगों ने अपनी पहली सैलरी या व्यक्तिगत आय के बाद पहली बार सोना खरीदा, जबकि 23.9% ने इसे निवेश के रूप में चुना। यह ट्रेंड पीढ़ियों के व्यवहार में अंतर भी दिखाता है। जेन जी छोटे और व्यक्तिगत माइलस्टोन से सोने की खरीद शुरू कर रहे हैं, जबकि मिलेनियल्स इसे जीवन की बड़ी घटनाओं और दीर्घकालिक सुरक्षा से जोड़कर देखते हैं।

जेन जी और मिलेनियल्स की पहली पसंद बना सोना

इस समय सोना निवेश का बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहा है। जेन जी और मिलेनियल्स यानी युवा भारतीयों का सोने पर भरोसा मजबूत बना हुआ है, लेकिन इसे खरीदने का तरीका धीरे-धीरे बदल रहा है। स्मिटन पल्सएआई के सर्वे में सामने आया है कि सोने की खरीद अब अधिक व्यक्तिगत और छोटी रकम/मात्रा में होने लगी है। 18-39 वर्ष के 5,000 उपभोक्ताओं पर आधारित इस अध्ययन के अनुसार पारंपरिक, परिवार-केंद्रित खरीदारी की जगह अब तर्क-आधारित और व्यक्तिगत फैसलों का महत्व बढ़ रहा है। जेन जी और मिलेनियल्स सोने की खरीद को अब शादी-समारोह से आगे बढ़कर व्यक्तिगत माइलस्टोन और पहली सैलरी जैसे शुरुआती निवेश के रूप में देख रहे हैं।

सुरक्षा के मामले में पहली पसंद

आधुनिक निवेश विकल्पों की बढ़ती पहुंच के बावजूद युवा भारतीयों के लिए सोना अब भी सबसे भरोसेमंद निवेश बना हुआ है। सर्वे के अनुसार यदि आज 25,000 रुपये निवेश करने हों तो 61.9% उत्तरदाता सोने को चुनेंगे। यह आंकड़ा म्यूचुअल फंड (16.6%), फिक्स्ड डिपॉजिट (13%), शेयर बाजार (6.6%) और क्रिप्टो (1.9%) से काफी आगे है। आर्थिक अनिश्चितता के समय भी सोने पर भरोसा कायम है। 65.7% लोगों ने कहा कि बैंक बचत, म्यूचुअल फंड या इक्विटी की तुलना में सोना उन्हें सबसे सुरक्षित विकल्प लगता है। यह ट्रेंड दर्शाता है कि जेन जी और मिलेनियल्स दोनों के लिए सोना अब भी वित्तीय सुरक्षा का प्रमुख सहारा बना हुआ है।

छोटी खरीदारी बन रही नया ट्रेंड

सर्वे से स्पष्ट संकेत मिलता है कि अब सोने की बड़ी और कम अंतराल वाली खरीदारी से हटकर छोटी और नियमित खरीदारी का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। हाल की 61.9% खरीद 5 ग्राम से कम की रही, जिसमें 27.5% लोगों ने 2 ग्राम से कम और 34.4% ने 2 से 5 ग्राम के बीच सोना खरीदा। अब 42% परिवार समय-समय पर छोटी मात्रा में सोना खरीदना पसंद कर रहे हैं, जबकि 58% अभी भी एकमुश्त और अवसर आधारित खरीद करते हैं।

परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण

निवेश के मामले में परिवार की भूमिका अभी भी महत्वपूर्ण है, लेकिन सोने की खरीद के फैसले अब तेजी से व्यक्तिगत होते जा रहे हैं। सर्वे के मुताबिक 66.7% उत्तरदाताओं ने कहा कि आज सोना खरीदना मुख्य रूप से व्यक्तिगत और स्वयं प्रेरित निर्णय बन चुका है, न कि केवल पारिवारिक प्रभाव से लिया गया फैसला। 42.3% लोगों ने बताया कि उनके घर में हाल की सोने की खरीद की पहल उन्होंने खुद की, जबकि 40% ने माता-पिता या बड़े परिवार के सदस्यों को इसका श्रेय दिया। यह बदलाव पीढ़ियों के बीच स्पष्ट अंतर को दिखाता है। जेन जी अब कब और कैसे सोना खरीदना है, इसका फैसला खुद लेने में अधिक आत्मविश्वास दिखा रहे हैं और इसे व्यक्तिगत वित्तीय निर्णय मानते हैं। वहीं, मिलेनियल्स अब भी गोल्ड को परिवार की योजना और दीर्घकालिक सुरक्षा के नजरिए से देखते हैं, जहां खरीदारी सामूहिक प्राथमिकताओं से प्रभावित रहती है।

अब शादियों तक सीमित नहीं

दिलचस्प बात यह है कि पहली बार सोना खरीदना अब केवल शादी जैसे अवसरों तक सीमित नहीं रहा। 24.3% लोगों ने अपनी पहली सैलरी या व्यक्तिगत आय के बाद पहली बार सोना खरीदा, जबकि 23.9% ने इसे निवेश के रूप में चुना। यह ट्रेंड पीढ़ियों के व्यवहार में अंतर भी दिखाता है। जेन जी छोटे और व्यक्तिगत माइलस्टोन से सोने की खरीद शुरू कर रहे हैं, जबकि मिलेनियल्स इसे जीवन की बड़ी घटनाओं और दीर्घकालिक सुरक्षा से जोड़कर देखते हैं।

सोने की खरीद में डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ा है। इसके बावजूद सोने की खरीदारी में अभी भी पारंपरिक चैनल्स पर भरोसा अधिक है। सर्वे के अनुसार, 38.3% लोग सबसे अधिक सोना बड़ी ब्रांडेड ज्वेलरी चेन से खरीदते हैं, जबकि 34.7% उपभोक्ता स्थानीय ज्वेलर पर भरोसा करते हैं। इसके विपरीत, केवल 5.2% लोग ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या ऐप के जरिए सोना खरीद रहे हैं। खरीद से जुड़ी चिंताओं में शुद्धता और प्रामाणिकता सबसे बड़ी चिंता के रूप में सामने आई, जिसे 49.4% उत्तरदाताओं ने प्रमुख कारण बताया।

खरीद के बाद पछतावा भी बड़ा संकेत

सर्वे की सबसे महत्वपूर्ण बात यह सामने आई कि सोना खरीदने के बाद बड़ी संख्या में युवा उपभोक्ता असमंजस या पछतावा महसूस करते हैं। करीब 67.1% उत्तरदाताओं ने माना कि उन्हें अक्सर या कभी-कभी सोना खरीदने के बाद पछतावा हुआ है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह खरीदी गई कीमत (38.9%) रही, जबकि 33.5% लोगों ने ज्वैलरी, सिक्के या डिजिटल गोल्ड जैसे फॉर्मेट को लेकर भ्रम को कारण बताया। वहीं 18.8% ने पर्याप्त जानकारी के अभाव को जिम्मेदार ठहराया। यह ट्रेंड दिखाता है कि सोने पर भरोसा मजबूत है, लेकिन खरीद प्रक्रिया को लेकर युवाओं का आत्मविश्वास अभी भी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है।

भविष्य में सोना खरीदने का इरादा

लोग भविष्य में भी खूब सोना खरीदना चाहते हैं। इस सर्वे में यह भी सामने आया कि भविष्य में सोना खरीदने का इरादा बहुत मजबूत है। 52.7% उत्तरदाता अगले 12 से 24 महीनों में सोना खरीदने के लिए "बहुत संभावना" दिखाते हैं। कुल मिलाकर सोने का स्थान युवा भारतीयों के बीच अब भी अडिग है, हालांकि खरीदारी के तरीके बदल रहे हैं। छोटे निवेश, व्यक्तिगत निर्णय और पारंपरिक खरीदारी चैनल्स में भरोसा दर्शाता है कि सोना का आकर्षण मजबूत है और आने वाले समय में भी यह सुरक्षित निवेश के रूप में रहेगा।

महंगाई के दौर में बच्चों के लिए बनाएं फंड

उच्च शिक्षा के लिए करें मजबूत प्लानिंग

तैयारी

बिजनेस डेस्क

- तेजी से महंगी हो रही पढ़ाई, अभी नहीं संभले तो पड़ेगा भारी
- एसआईपी समेत कई निवेश विकल्पों के बारे में सोचना होगा
- एक संतुलित, बहुआयामी और समयबद्ध रणनीति बनानी होगी

आज के दौर में शिक्षा केवल एक आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी बन चुकी है, लेकिन इसके साथ स्कूल और कॉलेज की फीस सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। इंटरनेशनल बोर्ड, प्रोफेशनल कोर्स, विदेश में पढ़ाई, हॉस्टल और रहने-खाने का खर्च ये सभी मिलकर उच्च शिक्षा को बेहद महंगा बना देते हैं। ऐसे में माता-पिता के लिए यह जरूरी हो गया है कि वे समय रहते अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए व्यवस्थित और दीर्घकालिक वित्तीय योजना बनाएं। अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता एक अनुमानित रकम तय कर लेते हैं और हर महीने एसआईपी शुरू कर देते हैं। यह एक अच्छा कदम है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल एसआईपी पर निर्भर रहना पर्याप्त है? बदलते आर्थिक हालात और शिक्षा महंगाई को देखते हुए जवाब है नहीं। जरूरत है एक संतुलित, बहुआयामी और समयबद्ध रणनीति की।

जल्दी शुरुआत ही सबसे बड़ा फायदा

उच्च शिक्षा की योजना में समय सबसे महत्वपूर्ण कारक है। यदि बच्चा छोटा है और आप अभी से निवेश शुरू करते हैं, तो कंपाउंडिंग का लाभ कई गुना बढ़ जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आप 10–15 साल तक नियमित एसआईपी करते हैं, तो छोटी-छोटी मासिक बचत भी बड़ा फंड बना सकती है। देर से शुरुआत करने पर आपको अधिक रकम निवेश करनी पड़ सकती है, जिससे घरेलू बजट पर दबाव बढ़ सकता है।

एक निवेश विकल्प पर निर्भर न रहें

अक्सर लोग पूरे शिक्षा फंड को इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश कर देते हैं और फीस भरने तक उसे वहीं रखते हैं। लेकिन यदि फीस के समय बाजार में गिरावट आ जाए, तो आपके फंड की वैल्यू घट सकती है। इसलिए जरूरी है कि जैसे-जैसे फीस का समय नजदीक आए, निवेश को सुरक्षित विकल्पों में शिफ्ट किया जाए। उदाहरण के लिए लक्ष्य से 3–4 साल पहले धीरे-धीरे डेट फंड या एफडी में ट्रांसफर करें। अंतिम 1–2 साल में जोखिम बहुत कम कर दें और पैसा लिक्विड या सुरक्षित साधनों में रखें। यह रणनीति आपको बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाती है।

शिक्षा महंगाई का सही अनुमान लगाएं

भारत में शिक्षा महंगाई दर सामान्य महंगाई से अधिक, लगभग 8–12% तक मानी जाती है। यदि आज किसी कोर्स की फीस 10 लाख रुपये है, तो 10 साल बाद वही कोर्स 20–25 लाख रुपये तक हो सकता है। इसलिए भविष्य की लागत का अनुमान लगाते समय महंगाई को शामिल करना जरूरी है। केवल वर्तमान फीस देखकर योजना बनाना पर्याप्त नहीं है।

अन्य खर्चों को भी जोड़ें

अक्सर माता-पिता केवल ट्यूशन फीस को ध्यान में रखकर फंड बनाते हैं, जबकि वास्तविक खर्च इससे कहीं अधिक होता है। विशेषकर विदेश में पढ़ाई के मामले में रहने और खाने का खर्च, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, लैपटॉप और अन्य गैजेट्स, एप्लिकेशन फीस, इंटर्नशिप या प्रोजेक्ट खर्च इन सभी खर्चों को जोड़कर ही वास्तविक लक्ष्य तय करें। विदेश में पढ़ाई का खर्च तो डॉलर या अन्य विदेशी मुद्रा में होने के कारण और भी बढ़ सकता है।

एजुकेशन लोन से न घबराएं

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को नकारात्मक नजर से देखते हैं, लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। यदि समझदारी से लिया जाए, तो एजुकेशन लोन रिटायरमेंट सेविंग्स को बचाने में मदद कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपके पास शिक्षा और रिटायरमेंट दोनों के लिए सीमित फंड है, तो शिक्षा के लिए आंशिक लोन लेकर आप अपने रिटायरमेंट कॉर्पस को सुरक्षित रख सकते हैं। इसके अलावा, एजुकेशन लोन पर टैक्स लाभ भी मिलता है और पढ़ाई पूरी होने के बाद बच्चे खुद इसे चुकाने में योगदान दे सकते हैं।

रिटायरमेंट से समझौता न करें

बच्चों की पढ़ाई महत्वपूर्ण है, लेकिन अपनी रिटायरमेंट सुरक्षा को नजरअंदाज करना भविष्य में आर्थिक संकट पैदा कर सकता है। शिक्षा के लिए आप लोन ले सकते हैं, लेकिन रिटायरमेंट के लिए नहीं। इसलिए दोनों लक्ष्यों में संतुलन बनाना जरूरी है।

नियमित समीक्षा करें

हर साल अपनी योजना की समीक्षा करें। यदि आपकी आय बढ़ती है, तो SIP की राशि भी बढ़ाएं। अगर लक्ष्य की लागत बदलती है या बच्चे की रुचि अलग दिशा में जाती है, तो योजना में संशोधन करें।

अनुशासन ही सफलता की कुंजी

बढ़ती महंगाई के इस दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए पहले से तैयारी करना अनिवार्य हो गया है। केवल बचत नहीं, बल्कि स्मार्ट निवेश, जोखिम प्रबंधन और समय पर समीक्षा ही मजबूत शिक्षा फंड का आधार बनते हैं। जल्दी शुरुआत, विविध निवेश, महंगाई का सही अनुमान और जरूरत पड़ने पर एजुकेशन लोन ये सभी कदम मिलकर आपके बच्चे के सपनों को साकार कर सकते हैं।

प्राइवेट नौकरी वाले जान लें अहम टिप्स

आर्थिक रूप से रहेंगे मजबूत

- अपने वेतन का करीब 20 फीसदी शुरू से ही निवेश करें
- अपना बजट बनाएं, लक्ष्य तय करें और गैरजरूरी खर्चों से बचें
- सैलरी 10% बढ़ती है, तो कम से कम 5% अतिरिक्त निवेश करें
- व्यक्तिगत हेल्थ इंश्योरेंस जरूर लें, यह बीमारी में काम आएगा

सुझाव

बिजनेस डेस्क

प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करने वाले लाखों युवाओं के लिए करियर की शुरुआत उत्साह और सपनों से भरी होती है। अच्छी सैलरी, कॉर्पोरेट लाइफस्टाइल और तेजी से बढ़ते अवसर आकर्षित करते हैं, लेकिन इस चमक-दमक के पीछे एक सच्चाई भी है प्राइवेट नौकरी में सरकारी कर्मचारियों जैसी पेंशन, स्थायी सुरक्षा या व्यापक सामाजिक लाभ अक्सर उपलब्ध नहीं होते। ऐसे में यदि वित्तीय योजना मजबूत न हो, तो भविष्य असुरक्षित हो सकता है। करियर की शुरुआत में की गई छोटी वित्तीय गलतियां समय के साथ बड़ी समस्या बन जाती हैं। इसलिए जरूरी है कि शुरुआत से ही सतर्क रहें और कुछ सामान्य लेकिन गंभीर वित्तीय भूलों से बचें।

अनियंत्रित जीवनशैली की शुरुआत

अक्सर युवा नौकरी लगते ही खर्च की आजादी का आनंद लेने लगते हैं। सैलरी आते ही किराया, घूमना-फिरना, गैजेट्स और ऑनलाइन शॉपिंग पर पैसा खर्च हो जाता है। लेकिन यदि आय और खर्च का स्पष्ट बजट न हो, तो बचत पीछे छूट जाती है। वित्तीय स्थिरता की पहली शर्त है बजट बनाना। 50-30-20 फॉर्मूला एक आसान तरीका है। इसमें 50% आय जरूरी खर्चों के लिए, 30% लाइफस्टाइल और शौक के लिए तथा 20% बचत और निवेश के लिए रखा जाता है। समस्या तब होती है जब लोग बचत वाले हिस्से को टाल देते हैं। कई बार दिखावे या सामाजिक दबाव में जरूरत से ज्यादा खर्च कर बैठते हैं। याद रखें, कमाई से ज्यादा जरूरी है पैसे का प्रबंधन।

वेतन बढ़ा, बचत नहीं

प्राइवेट सेक्टर में समय-समय पर इंक्रीमेंट और प्रमोशन मिलते हैं। लेकिन अक्सर देखा गया है कि वेतन बढ़ते ही खर्च भी उसी अनुपात में बढ़ जाता है। इसे लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहते हैं। नई कार, महंगा मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, बार-बार ट्रैवल ये सब बढ़ती आय के साथ जुड़ जाते हैं। नतीजा यह होता है कि बचत की दर स्थिर ही रहती है या घट जाती है। समझदारी यह है कि हर वेतन वृद्धि के साथ निवेश भी बढ़ाया जाए।

निवेश को टालना

अभी तो करियर की शुरुआत है, बाद में निवेश करेंगे यह सोच सबसे खतरनाक है। निवेश में समय सबसे बड़ा हथियार है। जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे, उतना ही कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। मान लीजिए कोई व्यक्ति 25 साल की उम्र से हर महीने 5,000 रुपये एसआईपी में निवेश करता है और दूसरा 35 साल की उम्र से 10,000 रुपये। लंबे समय में पहले व्यक्ति का फंड अधिक हो सकता है, क्योंकि उसे 10 साल का अतिरिक्त समय मिला। प्राइवेट नौकरी में पेंशन की गारंटी नहीं होती। इसलिए रिटायरमेंट फंड बनाना आपकी जिम्मेदारी है। म्यूचुअल फंड एसआईपी, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य लंबी अवधि के साधनों में नियमित निवेश जरूरी है।

इमरजेंसी फंड की अनदेखी

प्राइवेट सेक्टर में नौकरी की स्थिरता सीमित हो सकती है। अचानक छंटनी, कंपनी बंद होना या व्यक्तिगत कारणों से नौकरी छोड़नी पड़ सकती है। ऐसे समय में यदि इमरजेंसी फंड न हो, तो आपको कर्ज लेना पड़ सकता है या निवेश तोड़ना पड़ सकता है। कम से कम 6 से 9 महीने के खर्च के बराबर राशि रखें।

बीमा को हल्के में लेना

कई लोग सोचते हैं कि कंपनी द्वारा दिया गया ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस पर्याप्त है। लेकिन नौकरी बदलते ही यह सुविधा खत्म हो सकती है। इसलिए व्यक्तिगत हेल्थ इंश्योरेंस लेना जरूरी है। इसके अलावा, यदि परिवार आप पर निर्भर है, तो टर्म लाइफ इंश्योरेंस अनिवार्य है। यह कम प्रीमियम में बड़ी सुरक्षा देता है।

कर्ज का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड का अत्यधिक उपयोग और पर्सनल लोन लेना भी बड़ी वित्तीय गलती है। 18% से 36% तक ब्याज दर आपकी बचत को खत्म कर सकती है। कर्ज लें तो केवल जरूरी जरूरतों के लिए, जैसे होम लोन।

अनुशासन ही असली सुरक्षा

प्राइवेट नौकरी में अवसर बहुत हैं, लेकिन जोखिम भी कम नहीं। यहां भविष्य की सुरक्षा आपके अपने हाथ में है। बजट बनाना, लाइफस्टाइल पर नियंत्रण, समय पर निवेश, पर्याप्त बीमा और इमरजेंसी फंड ये पांच स्तंभ आपकी आर्थिक मजबूती की नींव हैं। वहीं, आज का अनुशासन आपको आर्थिक स्वतंत्रता और मानसिक शांति दे सकता है।

शेयर बाजार की बदहाली से इक्विटी म्यूचुअल फंड में घटा निवेश

जानकारी

बिजनेस डेस्क

- गोल्ड ईटीएफ में निवेश 106% बढ़ा
- शेयर बाजार में इन दिनों खूब दिख रही उठापटक
- आम निवेशकों का सेंटिमेंट प्रभावित हुआ

शेयर बाजार में इन दिनों उठा-पटक का दौर चल रहा है। किसी दिन शेयर बाजार का सूचकांक कुलांचे भरते हुए ऊपर चढ़ जाता है तो किसी दिन जमीन पर लोटने लगता है। तभी तो इस साल के पहले महीने यानी जनवरी 2026 में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश थोड़ा कम हुआ। स्थिति यह रही कि इस महीने गोल्ड ईटीएफ में इक्विटी म्यूचुअल फंड के मुकाबले ज्यादा निवेश हुआ। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुल फंड्स में 24,028 करोड़ रुपये आए। इससे एक महीने पहले यानी दिसंबर 2025 के दौरान 28,054 करोड़ रुपये आए थे। मतलब कि इस महीने निवेश में 14% की कमी आई है। यदि साल दर साल के आधार पर देखें तो जनवरी 2025 की तुलना में इस साल जनवरी में यह गिरावट 39% रही है। पिछले साल जनवरी के दौरान इस फंड में 39,687 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

इक्विटी फंड्स में कौन पहली पसंद जनवरी के दौरान अलग-अलग तरह के इक्विटी फंडों में, फ्लेक्सीकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इनमें सबसे ज्यादा 7,672 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद मिडकैप फंड में 3,185 करोड़ रुपये और लार्ज एंड मिड-कैप फंड में 3,181 करोड़ रुपये का निवेश आया। स्मॉलकैप फंड में 2,942 करोड़ रुपये आए, लेकिन ईएलएसएस फंड से निवेशकों ने 593 करोड़ रुपये निकाल लिए। अगर पिछले महीने से तुलना करें, तो फोकस्ड फंड में निवेश 47% बढ़ा। दिसंबर 2025 में इनमें 1,056 करोड़ रुपये आए थे, जो जनवरी 2026 में बढ़कर 1,556 करोड़ रुपये हो गए। लार्जकैप फंड और सेक्टोरल/थीमैटिक फंड में भी पिछले महीने की तुलना में क्रमशः 28% और 10% ज्यादा निवेश आया। वहीं, मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड में निवेश पिछले महीने के मुकाबले 24% और 23% घट गया।

डेट फंड का चला जादू

जनवरी 2026 के दौरान डेट फंड में 74,827 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह अच्छी खबर है क्योंकि पिछले दो महीनों (नवंबर और दिसंबर 2025) में डेट फंड से कुल 1.58 लाख करोड़ रुपये बाहर चले गए थे। पिछले साल जनवरी की तुलना में इस साल डेट फंड में निवेश 42% कम रहा, जब 1.28 लाख करोड़ रुपये आए थे। डेट फंड की 16 अलग-अलग श्रेणियों में से, ओवरनाइट फंड में सबसे ज्यादा 46,280 करोड़ रुपये का निवेश आया। वहीं, कॉर्पोरेट बॉन्ड फंड से 11,472 करोड़ रुपये निकाल लिए गए। लिक्विड फंड में 30,681 करोड़ रुपये और मनी मार्केट फंड में 12,763 करोड़ रुपये का निवेश आया।

हाइब्रिड फंड में भी रौनक

बीते जनवरी महीने के दौरान हाइब्रिड फंड में 17,356 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह दिसंबर 2025 के 10,755 करोड़ रुपये की तुलना में 61% ज्यादा है। पिछले साल जनवरी 2025 की तुलना में यह आंकड़ा 98% बढ़ा है, जब 8,767 करोड़ रुपये का निवेश आया था। हाइब्रिड फंड की छह श्रेणियों में से, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड में सबसे ज्यादा 10,485 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद आर्बिट्राज फंड में 3,293 करोड़ रुपये आए। आर्बिट्राज फंड में तो पिछले महीने के मुकाबले निवेश में 2,507% की भारी बढ़ोतरी हुई, जो दिसंबर 2025 में सिर्फ 126 करोड़ रुपये था। हालांकि, इक्विटी सेविंग्स फंड और कंजरवेटिव हाइब्रिड फंड में पिछले महीने के मुकाबले क्रमशः 81% और 35% की गिरावट आई।

ईटीएफ में खूब हुआ निवेश

अन्य स्कीमों, जिनमें ईटीएफ और इंडेक्स फंड जैसे पैसिव फंड शामिल हैं, में जनवरी में 39,954 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह दिसंबर 2025 के 26,723 करोड़ रुपये से 50% ज्यादा है। गोल्ड ईटीएफ में तो सबसे ज्यादा 24,039 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो पिछले महीने के मुकाबले 106% ज्यादा है। हो सकता है कि सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी की वजह से निवेशक इस ओर आकर्षित हुए। अन्य ईटीएफ में 15,005 करोड़ रुपये का निवेश आया। विदेशों में निवेश करने वाले फंड-ऑफ-फंड में भी भारी उछाल देखा गया।

चालीस की उम्र में कर रहे हैं रिटायरमेंट प्लानिंग तो अपना लें ये अहम टिप्स

इस उम्र में भविष्य की आर्थिक सुरक्षा की असली तैयारी शुरू होती हैं, अच्छी रणनीति बनाकर निवेश करेंगे तो नहीं होगी परेशानी, भविष्य सुरक्षित रहेगा।

शुरुआत

बिजनेस डेस्क

सबसे पहले आय, खर्च, ईएमआई व निवेश की स्थिति समझें

रिटायरमेंट प्लानिंग अक्सर लोग 50 की उम्र के बाद शुरू करने की सोचते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि 40 की उम्र वह मोड़ है, जहां से भविष्य की आर्थिक सुरक्षा की असली तैयारी शुरू होती है। यह उम्र आमतौर पर करियर का सबसे स्थिर और आय का सबसे मजबूत दौर होता है। आमदनी अपने शिखर की ओर बढ़ रही होती है, लेकिन साथ ही जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। बच्चों की पढ़ाई, होम लोन की ईएमआई, माता-पिता की देखभाल और जीवनशैली से जुड़े खर्च। ऐसे में यदि आपने अब तक रिटायरमेंट के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा है, तो अब वक्त है इसे प्राथमिकता देने का। 40 की उम्र में रिटायरमेंट प्लानिंग का मतलब है सीमित समय में अधिक प्रभावी रणनीति अपनाना। आपके पास अब 20–25 साल का कार्यकाल बचा हो सकता है। इस दौरान सही निवेश, अनुशासन और जोखिम प्रबंधन से आप एक मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार कर सकते हैं। सबसे पहले अपनी आय, खर्च, ईएमआई, मौजूदा निवेश और बीमा की स्थिति को स्पष्ट रूप से समझें। हर महीने कितना पैसा बचता है और कितना खर्च होता है, इसका विस्तृत विश्लेषण करें। इसके साथ ही महंगाई दर, भविष्य के मेडिकल खर्च और रिटायरमेंट के बाद की जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए यह अनुमान लगाएं कि आपको कितनी रकम की जरूरत होगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी वर्तमान खर्च का कम से कम 70–80% हर महीने चाहिए होगा।

रिटायरमेंट को प्राथमिकता बनाएं

अक्सर लोग बच्चों की पढ़ाई या घर खरीदने को प्राथमिकता देते हैं और रिटायरमेंट को टालते रहते हैं। लेकिन याद रखें, बच्चों को शिक्षा के लिए लोन मिल सकता है, रिटायरमेंट के लिए नहीं। ईपीएफ, पीपीएफ, एनपीएस और म्यूचुअल फंड एसआईपी जैसे साधनों में नियमित निवेश बढ़ाएं। कोशिश करें कि अपनी आय का कम से कम 15–25% हिस्सा रिटायरमेंट के लिए सुरक्षित रखें। यदि संभव हो तो हर साल आय बढ़ने के साथ निवेश राशि भी बढ़ाएं।

महंगे कर्ज से जल्दी छुटकारा पाएं

क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन पर 12% से 24% तक ब्याज देना आपकी संपत्ति निर्माण की क्षमता को कमजोर करता है। ऐसे कर्ज को प्राथमिकता से खत्म करें। होम लोन अपेक्षाकृत सस्ता होता है, लेकिन यदि अतिरिक्त राशि उपलब्ध हो तो प्री-पेमेंट जरूर करें। कर्ज मुक्त जीवन रिटायरमेंट की दिशा में बड़ा कदम है।

इमरजेंसी फंड बनाना न भूलें

रिटायरमेंट निवेश के साथ-साथ एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना भी जरूरी है। कम से कम 6 से 9 महीने के खर्च के बराबर राशि सेविंग अकाउंट या लिक्विड फंड में रखें। यह फंड अचानक नौकरी छूटने, बीमारी या किसी अप्रत्याशित खर्च के समय सुरक्षा कवच का काम करेगा। इससे आपको निवेश तोड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

टैक्स प्लानिंग से बढ़ाएं बचत

सही टैक्स प्लानिंग से आप अपनी निवेश क्षमता बढ़ा सकते हैं। आयकर की धारा 80सी, एनपीएस में अतिरिक्त निवेश (80सीसीडी(1बी), हेल्थ इंश्योरेंस (80डी) और कैपिटल गेन प्लानिंग का लाभ उठाएं। टैक्स बचत केवल बचत नहीं है, बल्कि आपके भविष्य के लिए अतिरिक्त निवेश का अवसर है।

पर्याप्त बीमा सुरक्षा सुनिश्चित करें

40 की उम्र में परिवार आप पर निर्भर होता है। इसलिए पर्याप्त टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें, जो कम से कम आपकी वार्षिक आय का 10–15 गुना हो। साथ ही, एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस प्लान भी रखें, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ मेडिकल खर्च तेजी से बढ़ते हैं। समय-समय पर अपनी पॉलिसी की समीक्षा करना भी जरूरी है। बच्चों की शिक्षा एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है, लेकिन इसे रिटायरमेंट की कीमत पर पूरा करना समझदारी नहीं है। शिक्षा के लिए अलग निवेश योजना बनाएं, जैसे कि इक्विटी म्यूचुअल फंड या चाइल्ड प्लान। ध्यान रखें कि लंबी उम्र एक बड़ा वित्तीय जोखिम है। यदि रिटायरमेंट फंड पर्याप्त नहीं होगा, तो बाद में आर्थिक निर्भरता की स्थिति बन सकती है।

नियमित समीक्षा सफलता की कुंजी

रिटायरमेंट प्लानिंग एक बार का निर्णय नहीं, बल्कि निरंतर प्रक्रिया है। हर साल अपने निवेश, खर्च और लक्ष्यों की समीक्षा करें। यदि आपकी आय बढ़ती है या जिम्मेदारियां कम होती हैं, तो निवेश की गति बढ़ाएं। पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट का संतुलन उम्र के अनुसार रखें। जैसे-जैसे रिटायरमेंट नजदीक आए, जोखिम कम करते जाएं।

स्पष्ट रणनीति अपनाएं

40 की उम्र में रिटायरमेंट प्लानिंग शुरू करना देर नहीं है, बशर्ते आप अनुशासित और स्पष्ट रणनीति अपनाएं। सही दिशा में उठाया गया कदम आपको आर्थिक स्वतंत्रता और सम्मानजनक जीवन दे सकता है। याद रखें, रिटायरमेंट कोई अंत नहीं, बल्कि जीवन का नया अध्याय है और इसकी तैयारी आज से ही शुरू होती है।

प्रमुख आकर्षण

- नवाचार प्रोत्साहन के लिए सशक्त, समावेशी एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी स्टार्टअप इकोसिस्टम निर्माण
- हब-एंड-स्पोक मॉडल पर आधारित इनक्यूबेशन नेटवर्क का विकास
- वर्ष 2030 तक 5,000 से अधिक नए स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य
- वित्तीय सहायता, इनक्यूबेशन, मेंटरशिप, बाजार संपर्क, क्षमता निर्माण तथा प्रौद्योगिकी एवं बौद्धिक संपदा समर्थन सुविधाओं का विकास
- ₹100 करोड़ के छत्तीसगढ़ स्टार्टअप (कैपिटल) फंड, ₹50 करोड़ के क्रेडिट रिस्क फंड
- सीड फंड सहायता (₹10 लाख तक)
- ब्याज अनुदान, किराया अनुदान, पेटेंट एवं गुणवत्ता प्रमाणीकरण अनुदान
- रोजगार सृजन सब्सिडी सहित कई महत्वपूर्ण प्रोत्साहनों का प्रावधान
- महिला उद्यमियों, अनुसूचित जाति/जनजाति, दिव्यांगजन, सेवानिवृत्त सैनिक, नक्सल प्रभावित व्यक्तियों के लिए विशेष प्रोत्साहन
- पब्लिक वेलफेयर एवं सर्कुलर इकोनॉमी से जुड़े स्टार्टअप्स के लिए भी विशेष प्रोत्साहन

नए विचार
नई ऊर्जा
नया विश्वास

अब कल्पनाएं होंगी साकार

सुशासन से समृद्धि की ओर

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
ChhattisgarhCMO
DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in
हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

प्रथम पृष्ठ का शेष

34 आत्मानंद स्कूल,...

तारबहार आत्मानंद स्कूल के कुछ क्लास में आज भी बेंच नहीं हैं। बच्चे जमीन पर बैठ रहे हैं। बच्चों के परिजनों ने बताया कि दिसंबर में स्कूल प्रबंधन के पास मार्कशीट के लिए भी पैसे नहीं हैं। बच्चों से 50-50 रुपए क्लास टीचर के पास जमा कराए गए। फिर बाजार से खरीदकर मार्कशीट दिया। **एक साल से बच्चों को ड्रेस भी नहीं मिली**- पालकों ने बताया कि कई स्कूलों में एक साल से बच्चों को ड्रेस नहीं मिली है। नया सत्र शुरू होने वाला है, लेकिन अब तक न ड्रेस पहुंची है और न ही जरूरी शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। शिक्षकों की भारी कमी के कारण पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। शिक्षक भी स्वीकार कर रहे हैं कि स्कूलों को पर्याप्त फंड नहीं दिया जा रहा। अंग्रेजी माध्यम के योग्य विषय शिक्षक और प्राचार्य की नियुक्ति नहीं हो रही है। कुर्सी-टेबल, लैब सामग्री, ड्रेस जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। पहले डीएमएफ फंड से प्रति स्कूल सालाना 5–6 लाख मिलते थे, जो अब घटकर दो लाख से भी कम रह गए हैं। आर्थिक तंगी के चलते कई स्कूलों में बिजली बिल तक का भुगतान नहीं हो पा रहा। **चार स्कूल बंद 300 बच्चों का भविष्य अधर में** -यही नहीं बिलासपुर जिले के चार आत्मानंद स्कूलों तिलक नगर, तारबहार, लाल बहादुर शास्त्री और लाला लाजपत राय में नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी कक्षाएं बंद की जा रही हैं। इससे हड़कंप मचा हुआ है और इस फैसले से करीब 300 नन्हे बच्चों का भविष्य अधर में लटकता नजर आ रहा है। जिला प्रशासन ने भी साफ कर दिया है कि स्कूलों के संचालन के लिए डीएमएफ से फंड जारी नहीं किया जाएगा, इसलिए संचालन अगले सत्र से संभव ही नहीं है। अभिभावकों में गहरी चिंता है और वे सड़क से लेकर प्रशासन तक अपनी आवाज़ उठा रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि अचानक लिए गए इस फैसले से बच्चों की पढ़ाई और आगे के एडमिशन को लेकर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। अभिभावकों का कहना है कि दूसरे निजी स्कूलों की महंगी फीस चुकाना संभव नहीं है। इसके साथ ही 20 से अधिक शिक्षकों की नौकरी भी खतरे में हैं। **प्रशासन का आश्वासन, लेकिन स्पष्ट रोडमैप नहीं**-मामले में प्रशासन का कहना है कि जो बच्चे फिलहाल नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी में पढ़ रहे हैं, उनकी पढ़ाई बीच में नहीं रोकी जाएगी और उन्हें कक्षा पूरी करने दी जाएगी। हालांकि, नए सत्र को लेकर प्रशासन के पास कोई ठोस और स्पष्ट योजना नहीं है। पालक कविता पाल ने बताया कि उनके बच्चे आत्मानंद स्कूल में एलकेजी और यूकेजी में पढ़ रहे हैं। अचानक कक्षाएं बंद होने की सूचना से वे बेहद डर गई हैं। उन्होंने कहा कि 2025 सत्र में एडमिशन कराने के बाद अब 8 फरवरी से स्कूल बंद करने की जानकारी मिली है ऐसे में बच्चों को कहां भर्ती कराएं, यह सबसे बड़ी चिंता है। वहीं, पालक निधि वर्मा ने कहा कि लाला लाजपत राय आत्मानंद स्कूल में उनकी बेटी यूकेजी में पढ़ रही है। आधा सत्र पूरा होने के बाद अचानक क्लास बंद करने की सूचना से भविष्य खतरे में नजर आ रहा है। उनका कहना है कि मध्यम वर्ग के लिए बड़े निजी स्कूलों की फीस चुकाना बेहद मुश्किल है।

52 स्वामी आत्मानंद...

जारी हुए। पहली किश्त के रूप में एक लाख रुपए की राशि छह महीने पहले जारी हुई। दूसरी किस्त दो महीने पहले 1.55 लाख रुपए आबंटित की गई है। संस्था प्रमुखों ने बताया कि फंड आधा होने की वजह से स्कूलों की रंगाई-पोताई नहीं हो पा रही है।

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
Skin Care
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

शिक्षक हैं, लेकिन...

कमी के कारण दो सत्र में शालाओं का संचालन हो रहा है। दरभा और चिंगपाल में अंग्रेजी व हिंदी माध्यम तथा चितापुर में मात्र हिन्दी माध्यम से पढ़ाई हो रही है। सेटअप के अनुसार सभी जगह शिक्षकों के पद पूरे हैं, लेकिन संसाधनों की कमी से विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा नहीं मिल पा रही है। विशेषकर विज्ञान विषय के विद्यार्थी प्रयोगशाला का समुचित लाभ प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। पुराने सरकारी भवन में ही विद्यालय का संचालन होने से लोग इसे उधारी का भवन कहने लगे हैं।

लैब के लिए...

शिक्षकों के पद से लगभग आधे शिक्षक अध्यापन कार्य कर रहे हैं । स्वामी आत्मानंद राजा बलराम दास स्टेट हाई स्कूल में शिक्षकों के 22 पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में यहां 13 शिक्षक पदस्थ है।

पांच महीने बाद...

हल्के में नहीं लिया जा सकता है। दोनों टीमों के क्रिकेटरों ने इसे आम मैच बताकर हाइप कम करने की पूरी कोशिश की। लेकिन दोनों टीमों की क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता और खासकर इस मैच की पृष्ठभूमि को देखते हुए यह तो तय है कि अब कोई इसे हारना नहीं चाहेगा।

हेड टू हेड...

टी20 विश्व कप में खेला गया था, जिसे पाकिस्तान ने 10 विकेट से जीता था।

छग का बजट...

होली का अवकाश रहेगा। अवकाश खत्म होने के बाद हर विभाग के बजट प्रस्तावों पर चर्चा के बाद पारित किया जाएगा, जो 20 मार्च तक चलेगा। सत्र के दौरान विपक्ष के सवालों और सत्तापक्ष के जवाब के बीच सदन के हंगामे के आसार हैं। **अब तक लगे 1888 सवाल**- विधानसभा के बजट सत्र को लेकर विधायकों ने अब तक 1888 सवाल लगाए हैं। सत्र के दौरान पहले दिन को छोड़कर शेष दिन प्रश्नकाल होगा। सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा प्रदेश के कई जनहित के मुद्दों पर स्थगन भी लाया जाएगा। सत्र के दौरान 27 फरवरी को नए वित्तीय वर्ष का बजट पेश किया जाएगा। वहीं, सत्ता पक्ष की ओर से प्रदेश के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण विधायी कार्य और वित्तीय प्रस्ताव सदन पटल पर रखे जाएंगे। वहीं सत्र में लाए जाने वाले विधेयकों पर भी चर्चा की गयी।

विपक्ष इन मुद्दों...

कार्य, खाद और बीज के मामले में गड़बड़ी, निर्वाचन में एसआईआर का मामला सहित अन्य मुद्दों को लेकर सदन में विपक्ष सरकार को घेरेगा।

छुट्टी पर घर...

झारखंड, कांस्टेबल राजकुमार गौड बलिया यूपी व अभिमान राय छुट्टी मिलने पर होली मनाने अपने-अपने घर जाने के लिए बस्तर से जगदलपुर पहुंचे। शनिवार की सुबह लगभग 5 बजे सभी जवान कार चालक हीरालाल नागर रींवा मप्र निवासी के साथ कार क्रमांक एमपी 17 जेडएच 4897 में सवार जगदलपुर से रायपुर जा रहे थे। धमतरी से गुजरते समय ग्राम खपरी बाईपास में तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक से टकरा गई। इस घटना में कार के परखच्चे उड़ गए। वहीं सवार कार चालक सहित दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल दो जवानों को संजीवनी 108 व वरदान संस्था की एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां रास्ते में ही एक जवान ने दम तोड़ दिया। भीषण हादसे में गंभीर रूप से घायल अभिमान राय का जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार किया गया।

शवों का पोस्टमार्टम...

रायपुर में शवों का पोस्टमार्टम के बाद एम्बाबिंग कर सुरक्षित उनके गृहग्राम तक पहुंचाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने जताया...

सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायल जवान के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घायल जवान के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

दो शिवधाम, शिवलिंग...

का उद्भव हुआ। उस स्थान पर बनवाया गया छोटा मंदिर अब भव्य स्वरूप ले चुका है। इसी तरह तरपोंगी के पास स्थित मोहदा गांव में 204 साल पहले तालाब के किनारे भू-फोड़ शिवलिंग का दर्शन लोगों ने किया। यहां शिवरात्रि पर ही नहीं बल्कि होली के दिन भी आस्था का सैलाब उमड़ता है। राजधानी करीब 40 किलोमीटर दूर धमधा-दुर्ग पर स्थित कोड़िया गांव में इन दिनों भू-फोड़ शिवधाम में आस्था का सैलाब हर सावन और महाशिवरात्रि के अवसर पर उमड़ता है। यहां के पुजारी पंडित रमेश गोस्वामी ने बताया कि मेरे परिवार से चौथी पीढ़ी भुईंया फोड़ शिवधाम की सेवा में लगी है। यहां महाशिवरात्रि से पहले की रात एक बजे से भक्तों के लिए शिवधाम का पट खोला जाता है। यहां की मान्यता है कि महादेव भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं। लोग संतान प्राप्ति के लिए मनौती लेकर शिवधाम में आते हैं। गांव के निवासी 75 वर्षिय फूलचंद धीवर ने बताया कि हमारे दादा-परदादा बताते थे, कि जिस जगह पर अभी भगवान का शिवधाम है, वहां पर मालगुजारी के दौर में घुरवा हुआ करता था। इसके पास ही खुला कुंआ था, जिसमें लोग ही नहीं जानवर भी गिरते थे तो उनको किसी प्रकार की हानि नहीं होती थी। जब घुरवा की सफाई करवाई गई, तो वहां भू-फोड़ शिवलिंग दिखाई दिया।

कोड़िया गांव को...

कपूर की तरह सफेद और चमकदार दिखाई देता है। आंख खोलने पर लोग सामान्य स्वरूप में ही दर्शन प्राप्त करते हैं। घुरवा के पास अब मंदिर और उसके पास स्थित कुंआ अब भी यथावत है।

मोहदेश्वर महादेव में...

64 साल से लोग होलिका दहन की रात में ही गांव की सरहद में पहुंचते हैं। लोगों की भीड़ हर साल बढ़ने से मेला भी लगने लगा है। इसे देखते हुए गांव के लोग होली दोपहर 12 बजे के बाद ही मनाते हैं। इतना ही नहीं महाशिवरात्रि पर आस्था का सैलाब उमड़ता है। रायपुर से बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर 33 किलोमीटर चलने के बाद भक्त तरपोंगी पहुंचते हैं। यहां से 2 किलोमीटर की दूरी पर मोहदा गांव है। यहां की तपोभूमि को मोहदेश्वर धाम के नाम से जाना जाता है। यहां शिवलिंग का कद बढ़कर ढाई फीट हो गया है। - **सावन में मनौती, होली की रात जलाभिषेक**- 86 वर्षीय माखन लाल वर्मा ने बताया कि गांव के बाहर रानी सागर तालाब के किनारे 204 साल पहले लोगों ने भू-फोड़ शिवलिंग का स्वरूप देखा था जो स्वतः ही जमीन से बाहर आने से आस्था का केंद्र बन गया। सावन के महीने में लोग शिवलिंग का दर्शन करने और मनौती के लिए पहुंचते हैं। जिन लोगों की मन्नत पूरी होती है, वे हर साल होलिका दहन की रात महादेव को जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। इसके चलते 64 साल से गांव के लोग होली का पर्व दोपहर के बाद मनाते हैं। सरपंच भरत रात्रे और हिमांशु ने बताया, होली से पहले मंदिर का रंग-रोगन किया जाता है। साथ ही मेला स्थल की सफाई के बाद तीन दिन पहले ही रोशनी के लिए लाइट लगाई जाती है। **गांव के किसी भी घर में नहीं लगाते हैं ताला**- 86 वर्षीय माखन लाल वर्मा बताते हैं कि भू-फोड़ शिवलिंग कब निकला, इसे बता पाना मुश्किल है।

असम में रचा...

को एक आपातकालीन लैंडिंग सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा, रणनीतिक दृष्टि से और प्राकृतिक आपदाओं के समय, यह सुविधा अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी।

बड़े अफसरों के...

विवाद के बाद आया है। मामले पर शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि कई मंत्रियों ने कहा कि जो लोग सत्ता में बड़े पद पर रहे हैं, उन्हें किताब लिखने से पहले इंतजार करना चाहिए।

क्यों नहीं प्रकाशित...

सेवानिवृत्त कर्मचारी संस्था से जुड़े विषय पर कुछ भी प्रकाशित करना चाहता है तो उसे पहले आवश्यक अनुमति लेनी होती है। इसे नहीं मानने पर सेवानिवृत्त कर्मचारी की पेंशन रोकी जा सकती है। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की किताब में रणनीतिक फैसलों का जिक्र है। इसकी वजह से रक्षा मंत्रालय ने इसे समीक्षा के अधीन रखा गया है।

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या..
बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- ईवी शोरूम में सेल्स एग्जीक्यूटिव -5पद, सेल्स मैनेजर- 2पद, टीम लीडर- 2पद, रिसेप्शनिस्ट- 1पद, सर्विस हेल्पर- 2पद चाहिए। वेतन+ आकर्षक इंसेंटिव। अपने बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- श्री बजरंग ऑटोमोबाइल (Kinetic Green) तोरवा बिलासपुर 9302569282 **(39963)**

आवश्यकता है- गैस मेकेनिक एवं LPG उपभोक्ताओं के घर गैस सिलेंडर डिलेवरी हेतु डिलेवरी मैन चाहिए पता- लाफागढ़ गैस एजेन्सी श्री काम्प्लेक्स देवकीनन्दन चौक के पास पुराना प्रताप टाकीज बिलासपुर 0775227443, 400761 **(39958)**

आवश्यकता है- आपके अपने क्षेत्र के ब्यूटी पार्लर, कॉस्मेटिक शॉप, जनरल स्टोर, मेडिकल स्टोर में Alfa Youth Brand के पर्सनल केयर (कॉस्मेटिक) बेबी डायपर, सैनेटरी पैड की मार्केटिंग, सेलिंग हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता है पेमेंट 26000 से 34000, WhatsApp Only 9098427938 **(39948)**

आवश्यकता है- बिलासपुर की प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कंपनी में आफिस एक्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। योग्यता किसी भी विषय में स्नातक, रीयल एस्टेट में अनुभवी को प्राथमिकता, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, वेतन- योग्य उम्मीदवार हेतु कोई सीमा नहीं सम्पर्क- 9630023355 **(39940)**

आवश्यकता है- सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में सोलर सिस्टम के सेल्स मार्केटिंग हेतु अनुभवी लड़के (इनकम 40000 से 1लाख कमा सकते है) एवं चैनल पार्टनर भी चाहिए पता- सोलर चॉइस इंडिया LIC ऑफिस के सामने मगरपारा बिलासपुर 9826384400, 7049243125 **(39950)**

आवश्यकता है- अनुभवी रिसेपशनिस्ट हॉस्पिटल मैनेजमेंट, अनुभवी PRO (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर फील्ड वर्क) अनुभवी फार्मासिस्ट (मेडिकल स्टोर हेतु), अनुभवी नर्सिंग स्टाफ। पता- प्रभा हॉस्पीटल महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 7470946314 **(39939)**

आवश्यकता है- नेत्र O.T. सहायक पद 2, रिसेप्सनिस्ट पद 2, स्किन प्रोसिजर असिसटेन्ट पद 2 अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्याता अनुसार समय सुबह 10 से 3बजे संपर्क करें 90989 71134 **(39949)**

आवश्यकता है- होटल में कार्य हेतु मिस्त्री चाहिए जिसे सभी प्रकार के नमकीन, मीठा बनाना आना चाहिए। योग्यता अनुसार वेतन 15000, 18000, 21000 पता- राम चाय सेन्टर, महर्षि चौक मंगला 9294686056, 7000832779 **(39921)**

आवश्यकता है- इंटीरियर डिजाइनर चाहिए जो ड्राफ्टिंग (Auto CAD/ 2D, 3D) व साइट विजिट कर सके। वेतन अनुभव अनुसार। इंटरव्यू 11AM to 6PM, सम्पर्क करें- मध्यनगरी चौक बिलासपुर 9243739905 **(39942)**

आवश्यकता है- छोटा हाथी चलाने के लिये अनुभवी ड्राइवर, कम्प्यूटर आपरेटर (जिन्हे हिन्दी टाइपिंग चलाना आता हो) एवं प्यून- 2 (युवक/ युवती) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9993243498 **(39959)**

आवश्यकता है- पेंट शोरूम में कार्य करने हेतु अनुभवी फुल टाइम टैली ऑपरेटर, शोरूम में कार्य करने हेतु लड़के एवं ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9827411940 **(39962)**

आवश्यकता है- फैक्ट्री में फुल टाइम माल लोडिंग, अनलोडिंग हेतु शारीरिक रूप से स्वस्थ 18 से 40वर्ष के लड़के चाहिए वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इंडस्ट्रीज इंडस्ट्रीयल एरिया तिफरा बिलासपुर 7869919759 **(39960)**

आवश्यकता है- बिलासपुर राजकिशोर नगर में ओला एवं ट्रेवल्स में कार चलाने हेतु तीन ड्राइवरों की आवश्यकता है वेतन 10000 से 12000 तक सम्पर्क करें- 9243958051, 8109400008 **(39961)**

आवश्यकता है- गोडाउन में काम करने के लिए मेहनती लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- वेदान्त एसोसिएट्स लिंक रोड बिलासपुर 9827164125 **(39931)**

आवश्यकता है- DJ शोरूम में कार्य हेतु फ्रेशर, अनुभवी लड़के चाहिए। आकर्षक वेतन 10000+ अच्छा काम करने पर उचित इनाम। सम्पर्क करें- कपूर चन्द & सन्स, सदर बाजार, करोना चौक, बिलासपुर 9685005500 **(39924)**

आवश्यकता है- बिलासपुर रेलवे के अंतर्गत चलती ट्रेनों में साफ सफाई कार्य हेतु पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक की फोटोकॉपी, मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट, 6 पासपोर्ट साइज फोटो, स्थानीय पुलिस थाना से पुलिस वेरिफिकेशन प्रमाण पत्र सहित सम्पर्क करें- रेलवे बॉक्सिंग क्लब के पास, न्यू रिजर्वेशन काउंटर के नजदीक, बिलासपुर रेलवे स्टेशन रोड, बिलासपुर 7987607213, 83193 17085, 9131103994 (39946)

आवश्यकता है- सुबह से शाम तक घर में विभिन्न प्रकार का शुद्ध सात्विक शाकाहारी भोजन बनाने हेतु महिला कुक चाहिए। शिक्षा ग्रेजुएट। सम्पर्क करें- वी-18, आदर्श कॉलोनी पुराना हाईकोर्ट, बिलासपुर 9893081826, 8319817966 **(39957)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीशियन, एसी टेक्नीशियन, गैस प्लांट टेक्नीशियन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- किम्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल मगरपारा रोड बिलासपुर 8982525645 **(39951)**

आवश्यकता है- सुपर बाजार में काम करने लिए स्मार्ट युवक एवं युवतियों की आवश्यकता है आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- जय भोले सुपर बाजार कारगिल चौक के पास सिन्धी कालोनी बिलासपुर 70007 62795 **(39952)**

आवश्यकता है- डाटा एंट्री, बिलिंग, एकाउंटिंग हेतु लड़की/ लड़के एवं दुकान कार्य हेतु करेने लड़के/ लड़कियां एवं इलेक्ट्रीशियन, हेल्पर चाहिए पता- सूरज इलेक्ट्रीकल्स, C21, नेताजी काम्प्लेक्स जरहाभाठा मंदिर चौक बिलासपुर 93015 86381, 9827181236 **(39934)**

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुबह 9 से 5बजे तक। डॉक्टर अग्रवाल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी क्लीनिक, जूनी लाइन, संतोष लॉज के बगल में बिलासपुर 7869911052 **(39932)**

आवश्यकता है- एक मेहनती, ईमानदार सेल्समैन चाहिए। ग्राहकों से अच्छी बातचीत करने, हिसाब किताब का अनुभव हो वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क- श्री शारदा एंटरप्राइजेस, कोतवाली चौक के पास, मेन रोड तेलीपारा, बिलासपुर 78699 19759 **(39944)**

आवश्यकता है- एजेन्सी कार्य हेतु छोटा हाथी ड्राइवर एवं आटो चालक एवं माल निकालने हेतु पार्ट टाईम शाम को लड़के लड़कियां चाहिए पता- महावीर एजेन्सी नेहरु नगर रोड सांई मन्दिर के पास बिलासपुर 9893056083, 9755885780 **(39945)**

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में (1) सेल्समैन, सेल्सगर्ल- 4पद, (2) बिलिंग कार्य- 2पद, (3) HR- 1पद, (4) Cashier- 1पद, चाहिए। वेतन 10000 से 20000 योग्यता अनुसार अनुभवी ही सम्पर्क करें- KAMLA सतीश्री ज्वैलर्स, (हनुमान मंदिर के बगल में, बर्तन लाइन में) मेन रोड, सदर बाजार, बिलासपुर 9827174256, 9907901110 (कृपया कॉल करके आयें) **(39936)**

आवश्यकता है- रेडीमेड होलसेल होजयरी दुकान मे कार्य हेतु (होजियरी सामान के अनुभव हो) माल पहुंचाने हेतु लड़के लड़कियां चाहिए सम्पर्क करें- नयन फैशन राजा होटल के पास पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर **(39928)**

आवश्यकता है- कृष्णा फुट वियर होल सेल दुकान में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड के पास बिलासपुर 9907925025, 7987210064 **(39938)**

आवश्यकता है- डेंटल क्लीनिक में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अधिश्री डेंटल क्लीनिक प्रताप चौक बिलासपुर 80854 97777 **(39933)**

आवश्यकता है- थोक/ चिल्हर शोरूम में पैकिंग कार्य हेतु लड़कों एवं दुकान का ईरिक्शा चलाने हेतु अनुभवी चालक चाहिए वेतन 15000 अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क- भारत बैग हाउस मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर **(39943)**

आवश्यकता है- कैफे में कार्य हेतु फ्रेशर युवक/ युवती चाहिए सैलरी योग्यतानुसार 6500 से 8000 सम्पर्क करें- 12 बजे के बाद, ब्रूबेरी कैफे, एम्बियंस बिजनेस पार्क, CMD कॉलेज के सामने 7987926453, 9131256249, 07752 490692 **(39947)**

आवश्यकता है- कृष्णा मल्टी स्पेशलिटी डेंटल क्लीनिक में स्टाफ की आवश्यकता है जरूरतमंद लड़के/ लड़कियां सम्पर्क करें- सिम्स गेट नं.-3 के सामने प्रिंस कॉम्प्लेक्स बिलासपुर 9617773900 (फ्रेशर का शुरुआती वेतन 5000 होगा) **(39925)**

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में अनुभवी सेल्समैन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, पैकिंग कार्य हेतु लड़के/ लड़कियों एवं लोकल डिलीवरी हेतु लड़कों की आवश्यकता है बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- जगत एजेन्सी, तेलीपारा, बिलासपुर **(39929)**

आवश्यकता है- सेल्सगर्ल (काउंटर सेल्स, कस्टमर हैंडलिंग) एवं ऑफिस मेनेजमेंट (बिलिंग रिकॉर्ड मेंटेन, फोन, ऑर्डर संभालने) योग्यता 10वीं, 12वीं वेतन योग्यतानुसार Call Time 11-3 पता- श्रीबालाजी डोर्स एंड प्लाई उस्लापुर 917900 7641 **(39926)**

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है रेलवे ऑफिस की गाड़ी चलने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति ही सम्पर्क करें- S.K Tour & Travels रामकृष्ण नगर मोपका बिलासपुर छत्तीसगढ़ 7879006223, 7000103649 **(39920)**

आवश्यकता है- बिलासपुर स्थित थ्रीव्हीलर शोरूम में कार्य हेतु सेल्स एग्जीक्यूटिव- 10पद, स्पेयर पाट्र्स इंचार्ज- 1पद अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- शारदा बजाज ICICI बैंक के सामने, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर 90390 90181 **(39930)**

आवश्यकता है-रियल एस्टेट कम्पनी में कार्य करने का सुनहरा अवसर टेलीकॉलिंग हेतु लड़की, मार्केटिंग हेतु लड़के चाहिए सम्पर्क करें- अम्बे कंस्ट्रक्शन मोपका चौक AGFG चर्च के पास बिलासपुर 7987236607, 8109119184 **(39900)**

आवश्यकता है- फोर व्हीलर (कार) चलाने हेतु कुशल अनुभवी ड्राइवर की तत्काल आवश्यकता है, (वेतन 12000/-) लाइसेंस के साथ संपर्क करेंः- मोपका, बिलासपुर मो. 7898495828 **(525)**

आवश्यकता है-होटल में कार्य करने हेतु होटल स्टॉफ, वेटर, हाउस कीपिंग स्टॉफ की चाहिए। वेतन 11000 से 15000 पता- होटल रॉयल रामा पुराना बस स्टैण्ड के पास टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर **(39941)**

आवश्यकता है- (M/F) मैनेजर, एकाउंटेंट, सुपर वायजर, सेल्समैन, हेल्पर चाहिए (समय 10 से 8) सैलरी- 9000 से 25000 पता- Farmers Pride, नेचर सिटी गेट से 200 मीटर आगे सकरी रोड, उसलापुर 91792 94949 **(39927)**

आवश्यकता है-UTN शॉप में मार्केटिंग सेल्स कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 12000 सम्पर्क करें- शॉप नम्बर FS-16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7999594790, 8878973171 **(39897)**

आवश्यकता है-बिजी साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर युवती एवं माल जमाने, दिखाने तथा पैकिंग कार्य के लिए मेहनती लड़कों/ लड़कियों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- आर.के. बूट हाउस तेलीपारा बिलासपुर **(39881)**

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए।. आयु 18से 30 बर्ष वेतन 9000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करें-, 91654 07080, 6261667355 **(529)**

हमारा अशियाना

META PROPERTIES
3BHK VILLA & PLOTS AVAILABLE
VIP CITY, Saddu, Vidhan Sabha, Raipur, C.G.
812 000 8290
Khanna Advt.

आवश्यकता है- श्याम इंटरप्राइजेज में पैकिंग कार्य व अन्य कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है, वेतन योग्यतानुसार (समय 10 Am से 7 Pm) सम्पर्कः- साइंस कॉलेज सरकंडा 90747 41377 **(528)**

आवश्यकता है- तखतपुर स्थित राईस मिल में काम करने हेतु अनुभवी फुल टाईम एकाउंटेंट की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8754507712, 79873 09303 **(39903)**

आवश्यकता है- वेटर काम करने हेतु साफ सुथरा 18वर्ष से ऊपर के लड़के की तत्काल आवश्यकता है वेतन 10000 रहने खाने की निःशुल्क व्यवस्था सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898 **(39909)**

आवश्यकता है- कपड़े के शोरूम में कार्य करने के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 11000 तक सम्पर्क करेंः- रूपवर्षा, गोल बाजार सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827163669 **(39885)**

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. रू.10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ मो. नं. 7225888800 **(054)**

आवश्यकता है- सोलर ऑफिस में कार्य करने के लिए कर्मचारी नवयुवक/ नव युवतियों की आवश्यकता है वेतन 8000/- से 20000/- तक संपर्क करें 7240810000 **(531)**

बेचना है

बेचना है-लोखण्डी मेन रोड से लगे व्यावसायिक, आवासीय सर्वसुविधायुक्त प्लाट, मकान उपलब्ध है सम्पर्क करें-एस.के. कंस्ट्रक्शन नारायणी हॉस्पीटल के बगल वंदना ट्रेडर्स के ऊपर मंगला चौक बिलासपुर 90986 49603, 7987295995 **(39605)**

बेचना है- खैरा में 20 एकड़ एकचक तारघेरा खेती जमीन 4 बोर सहित रेट 22लाख प्रति एकड़ किरना (मदवानी) रायपुर हाईवे से 5KM अन्दर बेचना है खरीददार ही सम्पर्क करें- 7999616184, 6261938189 **(39955)**

बेचना है- मटियारी बेलतरा मुख्य मार्ग पर सेलर एवं खैरा डंगनिया के मध्य मुख्य मार्ग पर 100 फुट का फ्रंट कुल रकबा 60 डिसमिल का प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- 97550 44382, 9179507993 **(39859)**

वैवाहिकी

वधु चाहिए

मुस्लिम वधु चाहिए- सुन्नी मुस्लिम खान उम्र 42 वर्ष हाईट 5'5'' तलाकशुदा निःसंतान छत्तीसगढ़ निवासी शिक्षित युवक के लिए अच्छे परिवार से पढ़ी लिखी लड़की चाहिए। जाति बंधन नहीं, संपर्कः- कॉलिंग /व्हाट्सएप 93039 03469 **(530)**

वधु चाहिए- जाति मुस्लिम कुंवारा उम्र 54/हाइट 5'9'', रंग गेहुआ,शिक्षा BA, खुद का घर तलाकशुदा, विधवा,कुंवारी लड़की चाहिए। जाति बंधन नहीं है मो. 9425253078 **(10378)**

Medicare Specialists
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है।
ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नही है, ये खुरापाती नीम हकीम आपको भ्रम में डालकर पागल बनाकर ही छोड़ेंगे सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्नुनो थैरिपी पर आधारित केवल रस-रसायन में ही हैं।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा साइंटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500
96177-89223, 93032-42200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

ब्राह्मण सरयूपारी
47 वर्षीय 5'.7" एजुकेशन b.com मुबंई निवासी हेतु सुंदर सुशील युवती चाहिए
संपर्क करें:- 8839287764 7977728830

वधु चाहिए
बिलासपुर निवासी बिजनेस एवं प्राइवेट जॉब कर रहे 28 वर्षीय सरयूपारी ब्राह्मण युवक हेतु सुयोग्य वधु चाहिए सर्व ब्राह्मण स्वीकार्य
सम्पर्क करें- 6263215412 9229991967

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

अब आप पायेंगे अपना एक सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन प्रकाशित किया जायेगा।

एजेंसी ▸▸ कोलंबो

आधुनिक टी20 क्रिकेट में डेटा की भूमिका काफी अहम होती है और इसी वजह से मैच-अप (एक टीम के खिलाड़ी विशेष का दूसरे टीम के खिलाड़ी विशेष से मुकाबला) को शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टीमों के कोचिंग स्टाफ की चर्चा में अहम स्थान प्राप्त होता है। गौतम गंभीर और माइक हेसन दोनों के लिए उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर 'मैच-अप' पर फोकस करना बहुत महत्वपूर्ण होगा। भारत-पाक मुकाबलों की कमी के कारण ज्यादा डेटा नहीं है। प्रशंसकों के लिए पांच संभावित रोमांचक मैच-अप पेश कर रहे है। मैच में अगर बारिश ने खलल नहीं डाला तो यह काफी दिलचस्प होगा।

मैच-अप : बुमराह-फरहान और हार्दिक-तारिक की भिड़ंत बनेगी हाइलाइट

साहिबजादा फरहान बनाम जसप्रीत बुमराह

पिछली बार जब ये दोनों आमने-सामने आए थे तब फरहान दो छक्के लगाकर बुमराह पर भारी पड़े थे और ऐसे चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों में शामिल हो गए, जिन्होंने एक ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में बुमराह को दो छक्के मारें। फरहान ने इस प्रदर्शन का जिक्र एक विज्ञापन वृत्तचित्र में भी किया था। नामीबिया के खिलाफ बुमराह को पावरप्ले में नहीं गेंदबाजी करने का मौका मिला, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ गंभीर की रणनीति देखने में रोचक होगी। आंकड़े बताते हैं कि फरहान ने तीन मैचों में बुमराह की 34 गेंदों का सामना किया और बिना आउट हुए 51 रन बनाए।

बाबर आजम बनाम कुलदीप यादव

कुलदीप यादव ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में बाबर आजम को कभी गेंदबाजी नहीं की है, लेकिन वनडे में उन्होंने पाकिस्तान के इस बल्लेबाज को तीन मैचों में आउट किया। बाबर ने कुलदीप के खिलाफ 52 गेंदों में सिर्फ 28 रन बनाए है। कुलदीप का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार रहा है। एशिया कप टी20 में भी जब बाबर टीम में नहीं थे। उन्होंने तीन मैचों में पाकिस्तान के आठ विकेट लिए, जिनमें फाइनल में चार विकेट शामिल थे। कुलदीप बनाम बाबर मुकाबला देखने के लिए गंभीर को अर्शदीप सिंह की जगह इस कलाई के खब्बू स्पिनर को एकादश में शामिल करना होगा।

हार्दिक पंड्या बनाम उस्मान तारिक

अगर किसी भारतीय बल्लेबाज के पास उस्मान तारिक की 'स्टॉप एंड स्लिंग एक्शन' की रहस्य को तोड़ने का सबसे अच्छा मौका है, तो वह हार्दिक पंड्या हैं। यह देखने में मजा आएगा कि सलमान अली आगा तारिक का उपयोग कैसे करते हैं, खासकर सातवें से 16वें ओवर में जब इस मैच-अप के मुकाबले के अवसर ज्यादा होंगे। तारिक का क्रीज पर रुकना बल्लेबाज की योजना बिगाड़ सकता है, लेकिन पंड्या की बैक-लिफ्ट, मजबूत कोर और बड़े शॉट के लिए समान बल्ले की गति बनाने की क्षमता उन्हें फायदा देती है।पंड्या आम तौर पर गेंद फेंके जाने के बाद ही प्रतिक्रिया देते है।

शिवम दुबे बनाम अबरार अहमद, शादाब अहमद

स्पिनरों और खासकर कलाई के स्पिनरों के खिलाफ शिवम दुबे का रिकॉर्ड शानदार रहा है। बाएं हाथ के इस लंबे कद के बल्लेबाज का स्पिनरों के खिलाफ स्ट्राइक रेट 193 से अधिक का रहा है। ईश सोढ़ी जैसे दाएं हाथ के लेग स्पिनर के खिलाफ भी दुबे ने हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में कड़ा प्रहार किया है। पाकिस्तान के अबरार अहमद और शादाब अहमद के खिलाफ दुबे अपने बड़े शॉट का आजमाने से पीछे नहीं हटेंगे।

ईशान किशन बनाम अफरीदी

अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में ईशान किशन शाहीन शाह अफरीदी के खिलाफ अपने स्ट्रोक की रेंज के साथ धावा बोल सकते हैं। वहीं, यह देखना रोमांचक होगा कि अफरीदी शॉर्ट-बॉल का प्रभावी इस्तेमाल कैसे करते हैं, क्योंकि किशन बहुत लंबे नहीं हैं। किशन का उसका जवाब देना काफी रोचक होगा।

ओमान के 8 बल्लेबाज नहीं पहुंच सके दोहरे अंक तक

आयरलैंड ने बनाया 235 रन का बड़ा स्कोर, ओमान को हराया, लोरकान टकर ने खेली नाबाद पारी

एजेंसी ▸▸ कोलंबो

कप्तान लोरकान टकर के 51 गेंद में 94 रन की मदद से आयरलैंड ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के एकतरफा मैच में शनिवार को ओमान को 96 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर आयरलैंड ने 5 विकेट पर 235 रन बनाए। टकर ने अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के लगाए और उनकी पारी के दम पर आयरलैंड ने 3 विकेट पर 47 से उबरते हुए इस टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

जवाब में ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर आउट हो गई। आमिर कलीम ने 50 और हमाद मिर्जा ने 46 रन बनाए। ओमान के 8 बल्लेबाज दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सके। आयरलैंड के लिए जाश लिटिल ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। मैथ्यू हंफ्रेंस और बैरी मैकार्थी को दो-दो विकेट मिले। इस जीत के बावजूद आयरलैंड चौथे स्थान पर है जबकि श्रीलंका, जिम्बाब्वे और आस्ट्रेलिया शीर्ष तीन स्थानों पर हैं।

ओमान ने पावरप्ले के पांच ओवर स्पिनरों से कराए

इससे पहले गेंदबाजी चुनते हुए ओमान ने पावरप्ले के छह में से पांच ओवर स्पिनरों से कराए । इसका फायदा भी मिला जब 38 वर्ष के शकील ने तीन ओवरों में तीन विकेट लेकर आयरलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 47 रन कर दिया। उन्होंने पहले ओवर में टिम टेक्टर को आउट किया, जिसके बाद रोस एडेयर का विकेट लिया। एडेयर ने शाह फैसल को तीन चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की थी लेकिन टिक नहीं सके। पांचवें ओवर में शकील ने हैरी टेक्टर को भी पवेलियन भेजा। टूर्नामेंट में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी 44 वर्ष के अनुभवी आमिर कलीम ने कुर्टिस कैम्फर का विकेट लिया। इसके बाद हालांकि टकर ने एक छोर संभालकर आयरलैंड की पारी को संभाला । आयरलैंड के कप्तान ने जेरेथ डेलानी (56) के साथ 56 गेंद में 101 रन की साझेदारी की। इसके बाद जॉर्ज डॉकरेल (35) के साथ 19 गेंद में 70 रन जोड़े। डॉकरेल ने नौ गेंद की पारी में पांच छक्के जड़े।

आमिर ने लगाया 44 साल 86 दिन की उम्र में अर्धशतक

ओमान के अनुभवी ऑलराउंडर आमिर कलीम टी20 वर्ल्ड कप में अर्धशतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने शनिवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में आयरलैंड के विरुद्ध 44 साल 86 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया। 28 गेंदों में अर्धशतक लगाते हुए आमिर कलीम ने अपनी ही टीम के साथी मोहम्मद नदीम के रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने इसी विश्व कप में श्रीलंका के विरुद्ध 43 साल और 161 दिन की उम्र में अर्धशतकीय पारी खेली थी। इस लिस्ट में श्रीलंकाई दिग्गज सनथ जयसूर्या तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 39 साल 345 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

आमिर सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

आमिर हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे, उन्होंने 2016 एडिशन में हांगकांग के पूर्व कप्तान रयान कैंपबेल (44 साल और 30 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ा था। कलीम 2016 में ओमान की पहली टी20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे और उन्होंने कई एशिया कप क्वालिफायर और वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन कैंपेन में हिस्सा लिया है।

कनाडा को एक्सपोजर की जरूरत : बाजवा

नई दिल्ली। कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का मानना है कि उनके जैसे एसोसिएट देश को क्रिकेट जगत से हमदर्दी की नहीं बल्कि फ्रेंचाइजी लीग और द्विपक्षीय क्रिकेट के जरिए एक्सपोजर की जरूरत है। बाजवा ने कनाडा में फ्रेंचाइजी क्रिकेट के प्रचार को खिलाड़ियों के लिए मनोबल बढ़ाने वाला बताया क्योंकि उसके बिना उन्हें लगातार मैच अभ्यास नहीं मिल रहा था। उन्होंने कहा, ' मैं युवराज सिंह को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो कनाडा सुपर 60 लेकर आए। हमें इसी की कमी खल रही थी। ग्लोबल टी20 कनाडा पिछले साल नहीं हुआ था लेकिन युवराज और अभिषेक शाह को धन्यवाद , जो उत्तरी अमेरिका में फ्रेंचाइजी क्रिकेट लेकर आए।' उन्होंने कहा ,'इससे काफी मदद हुई क्योंकि हमें लगातार क्रिकेट खेलने को नहीं मिलता था। पहली बार हमने इंडोर फ्रेंचाइजी क्रिकेट देखा। अब बर्फ गिरे या बारिश हो, हम क्रिकेट खेल रहे हैं। यह काफी गर्व का पल है कि कनाडा में इंडोर स्टेडियम है।'

पाकिस्तान के खिलाफ खेलेंगे अभिषेक, सूर्या ने कहा- विपक्षी टीम जैसा चाहती हैं वैसा ही होगा

एजेंसी ▸▸ कोलंबो

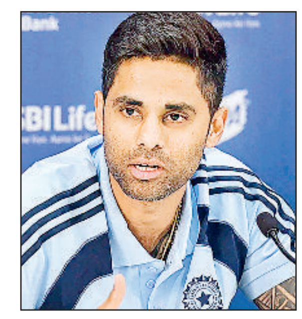

पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कन्फर्म किया है कि अभिषेक शर्मा ठीक हो गए हैं और 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

सूर्यकुमार यादव ने मैच के पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि अगर अगर पाकिस्तान चाहता है कि हम अभिषेक को खिलाएं तो ठीक है वो रविवार को होने वाले मुकाबले में खेलेंगे। आपको बता दें कि सूर्यकुमार का ये बयान तब आया जब पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि अभिषेक ठीक हो रहे हैं क्योंकि उनकी टीम सबसे अच्छी भारतीय टीम के खिलाफ खेलना चाहती है।

भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ी एशिया कप 2025 से एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाते। सूर्यकुमार यादव से पूछा गया कि क्या इस मुकाबले में भारतीय टीम के खिलाड़ी पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ मिलाएंगे या नहीं। इस सवाल पर भारतीय कप्तान ने कुछ साफ जवाब नहीं दिया और उन्होंने कहा कि आप इंतजार करो, हम अच्छा क्रिकेट खेलेंगे और फिर फैसला करेंगे। अच्छी नींद लो और अच्छा खाओ और इंतजार करो।

Dr. SPM International Institute of Information Technology - Naya Raipur (IIIT-NR)
Sector-24, Nava Raipur, Atal Nagar - 493661 (Chhattisgarh)

Recruitment Notice No. 01/2026 Dated 12/02/2026

Dr. S.P. Mukherjee IIIT-Naya Raipur invites applications from eligible candidates for recruitment to following positions on **deputation basis:-**

S.No.	Name of the Post	Pay Scale	Post
1.	Registrar	Level-14	1 (UR)
2.	Chief Finance & Accounts Officer	Level-14	1 (UR)

For all details including last date of application and other updates please visit the website of IIIT-Naya Raipur ***https://www.iiitnr.ac.in.***

Registrar (I/c)

राशिफल

मेष — किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक शान्ति रहेगी। शिक्षा में व्यवधान आ सकते हैं।

वृष — अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी महिला से धन की प्राप्ति हो सकती है। मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव हो सकता है।

मिथुन — चिकित्सीय खर्च और भवन के मरम्मत पर खर्च बढ़ सकते हैं। वाणी में कठोरता रहेगी। वाणी का प्रभाव भी बढ़ेगा। समाज में मान–सम्मान मिलेगा।

कर्क — मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

सिंह — न परेशान रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बढ़ सकता है। आत्मविश्वास रहेगा। भवन सुख में वृद्धि हो सकती है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं।

कन्या — शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। मन में शान्ति का प्रभाव रहेगा। धैर्यशीलता में कमी रहेगी।

तुला — बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। आय के स्रोत भी विकसित होंगे। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। भवन सुख में वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। कारोबार की स्थिति मजबूत होगी।

धनु — वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता रहेगी। नौकरी में बदलाव की स्थिति बन रही है। भाई–बहनों का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा।

मकर — शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कारोबार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। किसी मित्र के सहयोग से किसी सम्पत्ति में निवेश कर सकते हैं।

कुंभ — नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा। क पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी।

मीन — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
सं. P-HQ/GAZ/MED/33841/121
दिनांक : 11.02.2026
सूचना
केंद्रीय अस्पताल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे/बिलासपुर में 01 (रेडियोलॉजिस्ट)रिक्त पद के लिये 01 मानद आगंतुक विशेषज्ञ की नियुक्ति हेतु यह संक्षिप्त सूचना जारी की जाती है। यह नियुक्ति एक वर्ष की अवधि के लिए, पूर्णतः वार्षिक अनुबंध के आधार पर होगी। अधिक जानकारी जैसे पात्रता, शैक्षणिक योग्यता, आयु, अनुभव, नियम एवं शर्तें आदि के लिए कृपया दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की वेबसाइट http://secr.indianrailways.gov.in पर नीचे दिए गए पथ के अनुसार लॉग इन करें:
Recruitment/News/Pressrelease" Recruitment" Headquarters " Gazetted Section
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (GAZ)
सीपीआर/10/AM/697 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)
सूचना
एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाऐं एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इंण्डिया के ई–प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

South East Central Railway, Bilaspur Division
NOTIFICATION
Short Notification Regarding Re-engagement of Retired Railway Gazetted Officers
South East Central Railway invited applications from willing retired railway officers for re-engagement as consultant in exigencies of services on fixed monthly remuneration basis in the following department for a period of 01 year in terms of Railway Boards letter No. 2024/E(GR)/I/38/1, dated 29.08.2024 and dated 08-11-2024

Srl. No.	Department	Vacancies
1	Mechanical	01
2	Electrical	08
3	Civil Engineering	08

Fro more details i.e. eligibility, qualifications, age, experience. Terms of references and other terms and conditions may please log in to SECR website http://secr.indianrailways.gov.in. The last date of submission of application is 18.00 hrs. of 25.02.2026
Dy. Chief Personnel Officer (Gaz.)
S.E.C.Railway, Bilaspur
CPR/10/FL/694
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम जोन क्र. 02 तिफरा बिलासपुर (छ.ग.)
क्र. 2303/न.पा.नि./सं.क्रं.दि./2025-26 बिलासपुर, दिनांक 13/02/2026
//हक हस्तांतरण एवं कर निर्धारण के खातों में नाम परिवर्तन संबंधी सूचना//
संपत्तिकर विभाग नगर पालिक निगम बिलासपुर द्वारा विज्ञापन नं. 2025-26 हक हस्तांतरण एवं कर निराकरण के खातों में नाम परिवर्तन के संबंध में इस कार्यालय में आवेदन प्राप्त हुये हैं। यदि किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति प्रस्तुत करनी हो तो इस सूचना प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर जोन 02 तिफरा नगर निगम बिलासपुर छ.ग. के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्र.	वार्ड क्र.	मोहल्ला	प्रकरण क्र. एवं दिनांक	रसीद क्रं. /दिनांक	जिसके नाम पर दर्ज है	जिसके नाम पर दर्ज करना है	आधार
1	05	खुबचंद बघेल	178 12-02-2026	16075/96 12-02-2026	श्री डॉ. जितेन्द्र गोल्डी लाल पिता स्व. आर.एम. लाल	श्री आशुतोष पाण्डेय पिता श्री मनोज कुमार पाण्डेय	शपथ पत्र, बिक्रीपत्र, रजिस्ट्री पत्र, बी1, पी2, मकान टैक्स
2	07	कालिका नगर	179 12-02-2026	16075/95 11-02-2026	श्री चन्द्रशेखर वर्मा पिता स्व. बसंतबाबू वर्मा	श्री रोहित राम वर्मा पिता स्व. समलिया वर्मा	शपथपत्र, बिक्रीपत्र, रजिस्ट्री पत्र, डायवर्सन
3	07	कालिका नगर	180 12-02-2026	15702/84 10-09-2025	श्री रामा रियल स्टेट द्वारा भागीदार श्री राजीव अग्रवाल पिता स्व. रामचन्द्र अग्रवाल	01. श्रीमती जस्मीन जोबनपुत्रा पति श्री निलेश जोबनपुत्रा 02. श्री जय जोबनपुत्रा पिता श्री निलेश जोबनपुत्रा	शपथपत्र, बिक्रीपत्र, रजिस्ट्री पत्र, बी1, पी2, डायवर्सन एवं मकान टैक्स
4	07	कालिका नगर	181 12-02-2026	16075/97 12-02-2026	श्रीमती प्रेमा तिवारी पति स्व. सुरेश तिवारी	श्री रवि सिंह चौहान पिता श्री बलबीर सिंह चौहान	शपथपत्र, बिक्रीपत्र, रजिस्ट्री पत्र, बी1, पी2, डायवर्सन एवं मकान टैक्स
5	8	चित्रकांत जायसवाल नगर	182 12-02-2026	16075/93 06-02-2026	01. श्री निखलेश सोनी पिता स्व. अनुसुईया प्रसाद सोनी 02. श्री पवन सोनी पिता स्व. अनुसुईया प्रसाद सोनी 03. श्री राजेश कुमार सोनी पिता स्व. अनुसुईया प्रसाद सोनी	श्रीमती उषा श्रीवास पति श्री मुरित राम श्रीवास	शपथपत्र, बिक्रीपत्र, रजिस्ट्री पत्र, बी1, पी2, डायवर्सन एवं मकान टैक्स

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान
जोन कमिश्नर, जोन क्र. 02, तिफरा, न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6139

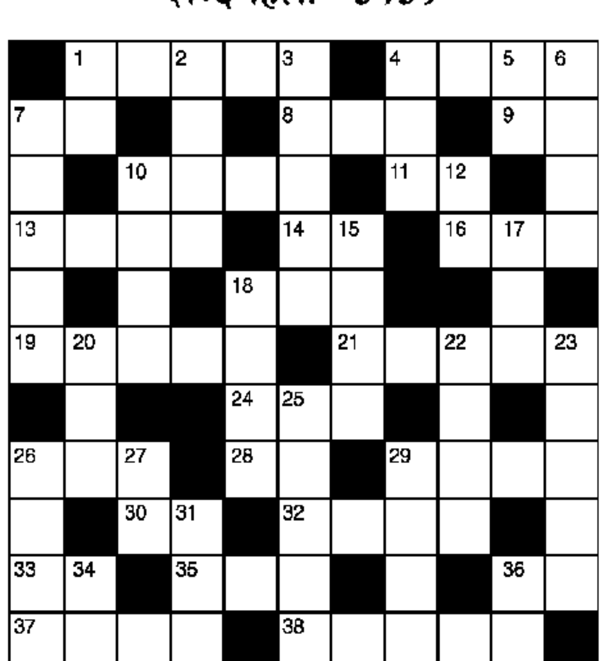

बाएँ से दाए
1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे
1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली - 6138 का हल

सूडोकु नवताल - 6149

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6148 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

झूठी, निराधार और आपत्तिजनक शिकायत करना पति के साथ मानसिक क्रूरता

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के निर्णय के खिलाफ पत्नी द्वारा पेश याचिका को पति और उसके परिजन के साथ मानसिक क्रूरता माना है। दरअसल ट्रायल कोर्ट ने पति, उसके भाई एवं मां को दहेज प्रताड़ना के आरोप से दोषमुक्त कर दिया था। इसी के खिलाफ रिपोर्टकर्ता पत्नी ने अपील की थी। हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा पति के खिलाफ झूठी, निराधार और आपत्तिजनक शिकायत करना पति को जानबूझकर और दुर्भावनापूणतरीके से मानसिक या शारीरिक कष्ट देना है। इसके साथ कोर्ट ने पति को तलाक का हकदार मानते हुए उनके मध्य हुए विवाह को समाप्त करने का आदेश दिया है।

धमतरी निवासी अपीलकर्ता की 28 अप्रैल 2009 को हिन्दू रीति से विवाह हुआ। शादी के बाद दिसंबर 2010 में पहला और अप्रैल 2014 में दूसरा संतान हुआ। अप्रैल 2017 में पत्नी ने पति उसके भाई एवं मां के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आईपीसी की धारा 498 ए के तहत सभी के खिलाफ जुर्म दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया। न्यायालय ने सुनवाई उपरांत पति व उसके परिवार के सदस्यों को आईपीसी की धारा 498 ए से बरी कर दिया। इसके खिलाफ पत्नी ने पति व उसके भाई व मां को हर हाल में जेल भेजने की मंशा से अपील पेश की। अपील खारिज होने पर उसने सुप्रीम कोर्ट में भी एसएलपी प्रस्तुत किया था। इसके बाद पति ने धमतरी परिवार न्यायालय में क्रूरता के आधार पर आवेदन दिया। परिवार न्यायालय ने आवेदन खारिज कर दिया। इसके खिलाफ पति ने हाईकोर्ट में अपील पेश की। जस्टिस संजय के.अग्रवाल एवं जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की डीबी में अपील पर सुनवाई हुई। डीबी ने पति की अपील को स्वीकार कर क्रूरता के आधार पर उसे तलाक का हकदार माना है।

बहुत बड़ा मानसिक आघात भी लगा

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि ऐसे आरोप बहुत गंभीर हैं जो पति के चरित्र और प्रतिष्ठा को प्रभावित करते हैं। गिरफ्तार होने का बहुत बड़ा मानसिक आघात भी लगा और उसने न केवल पांच साल तक मुकदमा लड़ा, बल्कि काफी लंबे समय तक अभियोजन का भी सामना किया, जिससे उसके मन पर स्थायी निशान पड़ गया और निश्चित रूप से समाज में उसकी स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पत्नी के आचरण को हाईकोर्ट ने मानसिक क्रूरता माना और कोर्ट ने इसके लिए पति को तलाक का हकदार मानते हुए इनके मध्य 28 अप्रैल 2009 को हुए विवाह को समाप्त करने का आदेश दिया है।

38 वर्ष पुराने दवा प्रकरण में राज्य सरकार की अपील हाईकोर्ट से खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने 38 वर्ष पुराने दवा प्रकरण में राज्य सरकार द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया है। जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल के सिंगल बेंच ने निचली अदालत के निर्णय को सही ठहराया है। निचली अदालत ने साक्ष्य के अभाव में आरोपियों को बरी कर दिया था।

मामला वर्ष 1988 में खैरागढ़ स्थित पंडित मेडिकल स्टोर्स से लिए गए दवा नमूने से जुड़ा है। 16 मार्च 1988 को ड्रग इंस्पेक्टर ने पैराक्विन टैबलेट का नमूना लिया था, जिसे इंदौर की कंपनी एमएस पारस फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट द्वारा निर्मित बताया गया था। भोपाल स्थित सरकारी विश्लेषक की रिपोर्ट में दवा को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया गया। इसके बाद विक्रेता, थोक विक्रेता और निर्माता कंपनी के भागीदारों को आरोपी बनाते हुए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट, 1940 के तहत मामला दर्ज किया था। मामले की सुनवाई करते हुए डोंगरगढ़ की अदालत ने वर्ष 2002 में सभी आरोपियों को बरी कर दिया था। निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में अपील की थी।

प्रमाणित करने में गंभीर खामियां

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि दवा का नमूना लेने और जांच की प्रक्रिया विधि अनुसार अपनाई गई थी। दवा की आपूर्ति श्रृंखला (निर्माता से विक्रेता तक) को प्रमाणित करने में गंभीर खामियां रहीं। जांच अधिकारी ने मूल बिल और दस्तावेज जब्त नहीं किए और केवल फोटोकॉपी प्रस्तुत की। आरोपियों को सेंट्रल ड्रग्स लेबोरेट्री में दोबारा जांच कराने का वैधानिक अधिकार था, लेकिन दवा की अवधि समाप्त हो जाने के कारण यह संभव नहीं हो सका। इन सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए राज्य सरकार की अपील खारिज कर दिया है।

वन अपराधियों के सामाजिक बहिष्कार के फैसले पर बैकफुट पर आए अफसर, निर्णय रद्द

रायपुर। शिकार तथा वन अपराध की घटनाओं पर अंकुश लगाने में नाकाम वन विभाग के अफसरों ने वन अपराधियों पर नकेल कसने जन जागरूकता अभियान चलाकर वन अपराधियों का सामाजिक बहिष्कार कराने का निर्णय वापस ले लिया है। वन अपराध पर नकेल कसने 24 दिसंबर को आयोजित समीक्षा बैठक में वन अपराधियों का सामाजिक बहिष्कार कराने निर्णय लिया था। समीक्षा बैठक पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ अरुण पाण्डेय की अध्यक्षता में हुई थी। वन अपराधियों का सामाजिक बहिष्कार कराए जाने के निर्णय के खिलाफ हरिभूमि ने पांच फरवरी को प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित की थी। खबर प्रकाशन होने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे गंभीरता से लेते हुए वनबल प्रमुख वी. श्रीनिवास राव को जांच के निर्देश दिए थे। बताया जा रहा है, मुख्यमंत्री के जांच के निर्देश देने के बाद पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ ने निर्णय वापस लिया।

लैंडिंग के वक्त रायपुर में लड़खड़ाई फ्लाइट, तकनीकी खराबी के बाद भोपाल की उड़ान कैंसिल

रायपुर। यात्रियों को लेकर दोपहर तीन बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंची फ्लाइट लैंडिंग के दौरान रनवे पर लड़खड़ा गई। जमीन से टकराकर विमान थोड़ा उछला, जिससे सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। विमान में आई तकनीकी खराबी की वजह से प्लाइट वापसी की यात्रा स्थगित कर दी गई है। इससे भोपाल जाने वाले यात्रियों का सफर पूरी तरह बाधित हो गया, क्योंकि रायपुर से भोपाल के बीच एकमात्र फ्लाइट का संचालन होता है। जानकारी के मुताबिक भोपाल-रायपुर-भोपाल के बीच एक नियमित फ्लाइट का संचालन होता है। शनिवार को यह फ्लाइट अपने निर्धारित समय से 38 मिनट लेट से रायपुर के लिए रवाना हुआ थी। सूत्रों के अनुसार दोपहर सवा तीन बजे लैंडिंग के दौरान फ्लाइट रनवे से टकराने के बाद थोड़ी उछली, जिससे उसमें सवार यात्रियों को हल्का झटका लगा और हड़कंप मच गया, मगर थोड़ी देर में ही विमान लैंड हो गया।

Vagina Tightening
(सेक्स अंगों की कॉस्मेटिक सर्जरी)
by
फ्रैशनल लेजर व्दारा
Fat Injection
(महिलाएं व पुरुष दोनों हेतु)
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी
कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

अधिकृत डीलर: बिलासपुर: सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो, 9289922706, अंबिकापुर: आनंद हीरो, 9289922359, सरगुजा हीरो, 9289923110, कोरबा: शांति हीरो, 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो, 9289923057, रायगढ़: गोयल हीरो, 9289922373, आदित्य हीरो, 9289923091, जांजगीर: आनंद हीरो, 9289922772, बैकुंठपुर: आर.के. हीरो, 9289922812, जशपुर: आकाश हीरो, 9289922909, एसोशिएट डीलर: खड़गांव: बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415, चौरा: ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सरिया: अग्रवाल ऑटो सेण्टर, 9993121909, गौरेला: श्री माँ नर्मदा मोटर्स, 7587796622/7587796611, सनावल: सोनी ऑटोमोबाइल्स, 9479235816, रतनपुर: माँ महामाया मोटर्स, 9754240437/8839972027, बलोदा: श्री कमला ऑटो, 9926515216, मरवाही: राहुल ऑटोमोबाइल्स, 8889467369/8719087320, मुगेली: महावीर, 9993855199, मनेन्द्रगढ़: विवेक ट्रेडर्स, 6261178785, कटघोरा: श्री शारदा एंटरप्राइज, 9809809925, शिवरीनारायण: सुल्तानिया ऑटो केयर, 9407600319, सक्ती: गोयल ऑटो, 9303571001/7000490324, खरसिया: विजय ऑटो एजेंसी, 9993093829, सीतापुर: श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांव: ज्योति ऑटो, 9406399000, सारंगढ़: गोपाल ऑटो सेंटर, 9827893203, सूरजपुर: आशा ऑटोमोबाईल्स, 9826440096, अकलतरा: श्री ऑटो, 9424174274, कोटा: उर्मिला मोटर्स, 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्स, 6268000180/8718888789, रामानुजगंज: प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 8827674000, बाराद्वार: दुर्गा ऑटो एजेंसी, 8319982160, उदयपुर: बंसत ऑटोमोबाईल्स, 9406022927, तपकरा: प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुर: तायल ऑटोमोबाईल्स, 9617218005, पटना: आयुश ऑटोमोबाईल्स, 8839141926, पाली: आनंद ऑटोमोबाईल्स, 7089519999, राजपुर: महामाया एजेंसी, 9516209272/9340726288, मदनपुर: ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपत: मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, महापाली: साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, लखनपुर: पीएन ऑटोमोबाइल्स, 8839193005, बटौली: इक्छा ऑटोमोबाइल्स, 8770232677, कुसमी: बोल्बम ऑटो, 8120191597, विश्रामपुर: ख़ुशी ऑटोमोबाइल, 9826775718, झरगांव: ऐबानी मोटर्स, 7849000000, रामानुजनगर: जयसवाल ऑटो, 9926015773, बलंगी: नमो ऑटोमोबाइल्स, 9977876863, भैयाथान: आनंद ऑटोमोबाइल्स, 9977221111, प्रेमनगर: मानस ऑटोमोबाइल्स, 9131301594, लोरमी: महेश मोटर्स, 7974700929, खैरागढ़: पुष्पक बिक्री, 9425554343, भानपुरी: अपराशा ऑटोमोबाइल्स, 9981009491, ऐडिशनल वर्कशॉप: अम्बिकापुर: आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज, 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट: ओरियन ऑटोव्हील्स, 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस: उरगा: बालाजी सर्विस स्टेशन, 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटर: बिलासपुर (सकरी): सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पा: आनंद हीरो, 7909901444, कोरबा: शांति हीरो, 7440299000, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुर: सत्या हीरो, 9289922464, खड़गांव: बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com